दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 09 अंक : 289 | जयपुर, मंगलवार 19 नवम्बर, 2024 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | मूल्य : 1.5 रुपए | पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org | twitter.com/JaipurTimes2 | facebook.com/dainikjaipurtimes | youtube.com/c/JaipurTimes | instagram.com/jaipurtimesjt

दिल्ली में राजस्थानी संस्कृति की दिखी अनूठी झलक

कालबेलिया नृत्य ने बांधा समां

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 43 वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में सोमवार की सांय एमफी थियेटर पर राजस्थान के लोक कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने ऐसा समा बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के प्रारंभ में राजस्थान पर्यटक स्वागत केन्द्र की उप निदेशक दीपाली शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर राजस्थान की दिल्ली में संयुक्त आवासीय आयुक्त रिंकू मीना और जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवराम मीना सहित अन्य कार्यालयों के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे। शर्मा ने बताया कि दो घंटे से भी अधिक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति सबसे आकर्षक रही। उन्होंने बताया कि जोधपुर के सुआ सपेरा और उनके दल की नृत्यांगनाओं ने लोक हर्षक प्रस्तुति दी। उन्होने अपने शरीर को रबर की गुड़ियां की तरह तोड़ मोड़कर गजब की लचक के साथ ऐसा अनूठा नृत्य प्रस्तुत किया कि दर्शक तालियां बजाने को मजबूर हो गए। नृत्यांगनाओं ने मुंह और आंखों की पलकों से अंगूठी उठाकर भारी करतल ध्वनि अर्जित की। पर्यटक स्वागत केन्द्र के सहायक निदेशक छत्रपाल यादव ने बताया कि सांस्कृतिक संध्या के प्रारम्भ में बाड़मेर से आए भुंगर खान व उनके दल के सदस्यों ने खड़ताल वादन एवं गायन से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने बताया कि भरतपुर के गफरूद्दीन मेवाती व पार्टी ने भपंग वादन से समा बांधा। दिल्ली की कल्पना चौहान व उनकी संगिनियों की ओर से प्रस्तुत घूमर नृत्य पर उपस्थित आगंतुकों ने तालियां बजाकर उनकी प्रशंसा की। पर्यटक स्वागत केन्द्र के पर्यटन अधिकारी मनोज शर्मा ने बताया कि पाली से आई गंगा देवी और पार्टी ने 'तेरह ताल नृत्य' और बारां से आए शिवनारायण व उनके दल ने 'चकरी नृत्य' से सभी का मन हर्षित किया। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त जयपुर के जीतू भवई के भवई नृत्य और दिल्ली के अनीसुद्दीन और उनके दल की ओर से प्रस्तुत चरी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के उद्घोषक अलवर के खेमेन्द्र सिंह रहे।

न्यूज इनबॉक्स

हाईकोर्ट का अहम फैसला: एसआई की पोस्टिंग और पासिंग आउट परेड पर रोक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला दिया। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में सिलेक्ट एसआई की पोस्टिंग और ट्रेनी एसआई की पासिंग आउट परेड पर रोक लगा दी है। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में सिलेक्ट एसआई की पोस्टिंग और पासिंग आउट परेड पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने पूरे मामले में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। अब 2021 की एसआई भर्ती में चयनित एसआई को पोस्टिंग नहीं दी जा सकेगी। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने कैलाश चंद शर्मा और अन्य की याचिका पर फैसला देते हुए रोक के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका के लंबित रहने के दौरान 2021 के चयनित ट्रेनी एसआई की पासिंग आउट परेड नहीं होगी। याचिकाकर्ता की तरफ से एडवोकेट हरेंद्र नील ने पैरवी की।

राजनीति का आधार कानून और नैतिकता है: राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर दो अलग-अलग संस्थाओं की ओर से कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर कहा कि खुशी मनाना एक सकारात्मक पहल है। उन्होंने कहा, ÷जयपुर स्थापना दिवस हम सभी के लिए गर्व का विषय है। अगर अलग-अलग संस्थाएं कार्यक्रम कर रही हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है। जयपुर नगर निगम अब दो हिस्सों में विभाजित है–हेरिटेज और ग्रेटर। दोनों अपनी-अपनी जिम्मेदारी के तहत आयोजन कर रहे हैं। परिवार में भी अगर अलग-अलग सदस्य अपनी खुशी मनाते हैं, तो इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली में प्रदूषण खतरनाक, सुप्रीम कोर्ट ने जल्द 12 वी तक स्कूल बंद करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में 12वीं तक से सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर के राज्यों को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। वहीं शीर्ष न्यायालय ने इस दौरान दिल्ली सरकार से भी सवाल किया है कि उन्होंने बढ़ते प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए क्या किया है?

बता दें कि न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

GRAP न लागू करने पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी÷

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि प्रदूषण स्तर में खतरनाक बढ़ोत्तरी को देखते हुए सीएक्यूएम ने GRAP के तमाम चरणों को लागू करने के बजाय मौसम की स्थिति में सुधार का इंतजार किया। उच्चतम न्यायालय ने GRAP के तहत प्रदूषण नियंत्रण उपाय लागू करने को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से कहा कि कुछ तत्परता की आवश्यकता है।

खेलों में भी राजस्थान को बनाएंगे अग्रणी,कराएंगे विश्वस्तरीय सुविधाए उपलब्धः भजनलाल

खेल व युवा मामले विभाग की समीक्षा को किया संबोधित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का युवा बेहद प्रतिभाशाली है और यहां की खेल प्रतिभाओं में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की क्षमता है। राज्य सरकार की ओर से खेल क्षेत्र में विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं जिससे खिलाड़ी प्रदेश का नाम गौरवान्वित करें। प्रदेश को खेलों में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खेल व युवा मामले विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं खेलों को बढ़ावा देने के लिए की गई सभी बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध व प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए जिससे इन घोषणाओं व योजनाओं का फायदा हमारे प्रदेश के युवाओं व खिलाड़ियों तक जल्द से जल्द पहुंचे।

शीघ्र लाएंगे युवा एवं खेल नीति

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति लाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में भी खेलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर खेलों के प्रोत्साहन के लिए समुचित वातावरण तैयार किया जा रहा है। खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्लेषण, काउंसलिंग और पोषण को समावेश करते हुए खेल नीति-2024 भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन दोनों नीतियों को अंतिम रूप देते हुए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

'खेलो राजस्थान' से स्थानीय स्तर की प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

सीएम शर्मा ने कहा कि 'खेलो इंडिया' यूथ गेम्स की तर्ज पर 'खेलो राजस्थान' यूथ गेम्स आयोजित करवाए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर की प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। ग्रामीण युवाओं को खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दृष्टि से प्रथम चरण में 10 हजार की आबादी वाले 163 ग्राम पंचायतों का चयन किया जा चुका है। यहां ओपन जिम व खेल मैदान बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इनके निर्माण के साथ उचित रखरखाव भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों से समन्वय स्थापित कर खेलों के क्षेत्र में वहां चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, नीतियों, नवाचारों का अध्ययन करें जिससे राजस्थान को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

मिशन ओलंपिक 2028 से खिलाड़ियों को तैयारियों के लिए मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का नाम खेल के क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए मिशन ओलंपिक 2028 की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से प्रदेश के 50 सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके लिए जयपुर में 100 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे शीघ्र पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद व राजस्थान युवा बोर्ड की कार्यप्रणाली, प्रत्येक संभाग पर युवा साथी केन्द्र स्थापित करने, महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने, टारगेट ओलंपिक पोडियम (टीओपी), राज्य युवा महोत्सव, पदक विजेताओं को आउट ऑफ टर्न नियुक्ति सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा भी की। बैठक में शासन सचिव खेल व युवा मामले डॉ. नीरज के पवन ने विभाग की बजटीय घोषणाओं की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई पर कसा शिकंजा, भाई 'अनमोल' केलिफोर्निया में पकड़ा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। मुंबई पुलिस के सूत्रों ने दावा किया है कि लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई को कैलिफोर्निया में पुलिस ने हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। भारतीय अधिकारी इस बारे में पूरी जानकारी जुटा रहे हैं। पिछले दिनों गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को अमेरिका से वापस लाने के लिए मुंबई पुलिस ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की थी। अनमोल के अमेरिका में होने की सूचना मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने अनमोल बिश्नोई के प्रत्यर्पण का एक प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को भेजा था।

सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी मामले में वांछित आरोपी:

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने अनमोल के प्रत्यर्पण का प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा था। इसे वहां से विदेश मंत्रालय को भेजा गया। लॉरेंस और अनमोल बिश्नोई को 14 अप्रैल को मुंबई के बांद्रा इलाके में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में वांछित आरोपी नामजद किया गया है। इसके अलावा वह एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की हत्या मामले में भी वांछित है।

अनमोल के खिलाफ जारी किया गया था लुकआउट सर्कुलर

इससे पहले अनमोल बिश्नोई के खिलाफ अप्रैल में 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया गया था। एनआईए ने बिश्नोई बंधुओं सहित नौ आरोपियों के खिलाफ अगस्त 2022 में एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें उन पर 'केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए धन जुटाने, युवाओं की भर्ती करने' के अलावा 'प्रमुख व्यक्तियों की लक्षित हत्याओं' की साजिश का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया है।

अब 'आप' के नहीं, भाजपा में शामिल हुए गहलोत

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। नजफगढ़ से विधायक कैलाश गहलोत सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा मुख्यालय में कैलाश गहलोत को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सदस्यता दिलाई है। वहीं इस दौरान दिल्ली भाजपा के कई वरिष्ठ नेता वहां मौजूद रहे।

इस दौरान कैलाश गहलोत ने कहा कि मैंने आजतक किसी के दवाब में कोई काम नहीं किया है। जितनी भी ऐसी बातें मुझे सुनने में आ रही है कि मैंने ये सीबीआई के दवाब में ऐसा किया या किसी और दवाब में किया ये गलत है। यह निर्णय एक दिन का नहीं है। हजारों लोग अन्ना के आंदोलन के बाद एक विचारधारा से जुड़े, मेरा राजनीति में आने का मकसद लोगों की सेवा करना है। लेकिन जिन मूल्यों के लिए आम आदमी पार्टी ज्वाइन की उनका पतन देखा तो मैं दंग रह गया। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ मेरी बात नहीं है, हजारों आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता ऐसा सोच रहे हैं। आम आदमी अब कुछ खास आदमी बन चुके हैं। कोई सरकार अगर लगातार केंद्र सरकार से लड़ने में समय निकालेगी तो दिल्ली का विकास कैसे होगा? मेरा जितना समय मंत्री के रूप में निकला, मेरी पूरी कोशिश रही कि मैं बेहतर करूं। मैं भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा ताकि दिल्ली का विकास कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ कर सकूं। मैंने अपनी प्रैक्टिस छोड़कर काम शुरू किया और आगे भी करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि आप छोड़ना आसान नहीं था। आप में अब हालात ठीक नहीं है। आप में आत्मविश्वास टूट गया है। पीएम मोदी की नीतियों से प्रभावित हुआ हूं। कैलाश गहलोत ने रविवार को ही आप की प्राथमिक सदस्यता और मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। कैलाश गहलोत ने 19 फरवरी 2015 को पहली बार दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री के रूप शपथ ली थी। उसके बाद वह लगातार तीन बाद मंत्री बनाए गए। इस्तीफा देने से पहले कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए।

गुलाबी नगरी का स्थापना दिवस मनाया

जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नियोजित शहरों में से एक: दीया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जयपुर शहर के 297वें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण प्रदान करने के साथ ही यहाँ आधुनिक विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर के परकोटे में सौ करोड़ के विकास कार्य करवाए जा रहें हैं। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को स्थापना दिवस के उपलक्ष में नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से स्टेचू सर्किल पर आयोजित दीपदान व रौशनी कार्यक्रम जयपुर वासियों को बधाई व शुभकामनायें देते हुए कहा कि जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ और नियोजित शहरों में से एक है। यह युनेस्को की विश्वधरोहर में शामिल है। यह एक ऐसा शहर है जिसकी स्थापना सवाई जयसिंह द्वितीय की ओर से 18 नवम्बर 1727 में पूर्ण वैज्ञानिक तरीके से और वास्तुशास्त्र के आधार पर की गई है। इस शानदार और अद्धभुत शहर का वास्तु नियोजन विद्याधर भट्टाचार्य ने किया।

महापौर ने मोती डूंगरी गणेश मन्दिर पहुंचकर प्रथम पूज्य भगवान गणेश को निमंत्रण दिया

18 दिसम्बर तक होगे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। नगर निगम ग्रेटर द्वारा सोमवार से जयपुर समारोह-2024 का आगाज किया गया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मोती डूंगरी गणेश मन्दिर पहुंचकर प्रथम पूज्य भगवान गणेश को निमंत्रण दिया दीप प्रज्जवलन कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर गज पूजा के साथ महिलाओं द्वारा लाल चूनरी ओडकर महाआरती की गई। इसके बाद महापौर ने गंगापोल गेट पर विराजमान भगवान गणेश की पूजा अर्चना की। मोती डूंगरी मन्दिर पर शहनाई वांदन किया गया। सुन्दर बैण्ड द्वारा प्रस्तुति दी गई।महापौर ने इस अवसर पर जयपुरवासियों को जयपुर समारोह-2024 की शुभकामनाएं दी। महापौर ने कहा कि जयपुर अपनी सांस्कृतिक विरासत, धरोहर, परम्पराओं के लिये जाना जाता है। जयपुर की विरासत स्वच्छता अक्षुण्ण रखने के लिये हम सभी को प्रयास करना चाहिए। महापौर ने गोविंद देव जी मन्दिर पहुंचकर पूजा अर्चना की साथ ही जयपुरवासियों के साथ भजनों का भी आनन्द लिया।

CMYK

मेवात जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
19 नवंबर, 2024

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी की जयंती आज

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर की ओर से भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी की जयंती 19 नवंबर मंगलवार को मनायी जायेगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया की भारत रत्न, कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, आयरन लेडी स्व. इन्दिरा गांधी की जयंती 19 नवंबर को प्रातः 10 बजे नवनिर्मित कांग्रेस कार्यालय, अम्बेडकर नगर, 200 फीट बाई पास रोड, अलवर पर मनाई जायेगी।

उक्त कार्यक्रम में विधायक, पूर्व सांसद, सांसद प्रत्याशी, विधायक गण, पूर्व विधायक, विधायक प्रत्याशी, नगर परिषद ओर नगर पालिकाओं के चेयरमैन एवं पूर्व चेयर मैन, नगर पार्षद, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी एवं सदस्य गण, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी,ब्लॉक अध्यक्ष गण, अलवर ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी गण, अलवर शहर के मंडल अध्यक्ष गण, अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष गण, जिला पार्षद, पंचायत समिति सदस्य, कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं गणमान्यजन मौजूद रहेंगे।

मत्स्य उत्सव में होंगे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 25 से 27 नवंबर को आयोजित मत्स्य उत्सव के अंतर्गत तीनों दिन शाम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत 25 नवंबर को साय 7.30 बजे से बेस्ट ऑफ राजस्थान कार्यक्रम में पूरे राज्य के प्रमुख पारंपरिक लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति की जाएगी। 26 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के कलाकारों द्वारा पंजाबी भंगडा, हरियाणवी लोक नृत्य, डांग नृत्य, सिद्धि धमाल और लावनी नृत्य की प्रस्तुति की जाएगी।

यूजिकल नाइट में इस वर्ष बॉलीवुड सिंगर अमित मिश्रा की कॉन्सर्ट महल चौक में आयोजित किया जाएगा। सुप्रसिद्ध गायक अमित मिश्रा ने अनेक बॉलीवुड फ़िल्मों में अपने गानों से प्रभावित किया है ए दिल है मुश्किल, दिलवाले, जुड़वा 2 जैसी लोकप्रिय फ़िल्मों में गाये इनके गानों यादगार है।

मत्स्य उत्सव में लगेगी सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं के द्वारा बनाए उत्पादों की प्रदर्शनी- इस वर्ष मत्स्य उत्सव में 27 नवंबर को आयोजित लावर शो के साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगायी जाएग। इसमें टेराकोटा, जुतियां, प्राकृतिक शहद, लाख की चूडियां, कपड़े व जूट के बैग, मसाले और अन्य खाद्य उत्पाद भी उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम आयोजन नगर निगम और राजीविका द्वारा कराया जाएगा।

एकमुश्त समझौता ऋण मुक्ति शिविर का किया आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। पंजाब नेशनल बैंक अलवर मंडल द्वारा मृतक उधारकर्ताओं के परिजनों के लिए एकमुश्त समझौता ऋण मुक्ति शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर बैंक के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसैटी) केशव नगर अलवर में आयोजित हो रहा है। इस समझौता शिविर में बैंक द्वारा अलवर मंडल के ऐसे एनपीए कृषि ऋण खाते जिनमें ऋणी की मृत्यु हो चुकी है एवं ऋण बकाया है, उनके परिजनों से एकमुश्त समझौता कर उन्हें ऋण से मौके पर ही मुक्ति प्रदान की जा रही है।

साथ ही ऐसे शिक्षा ऋण खाते जिन में ऋणी बेरोजगार एवं बिलकुल भी ऋण चुकाने की स्थिति में नहीं है उनको भी इस योजना के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। बैंक के संस्था प्रमुख एच एन मीणा ने बताया कि इस समझौता शिविर का लाभ उठाने वाले इच्छुक ऋणियों के परिजनों को आवेदन के साथ टोकन राशि एवं मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र जमा करना है। बकाया समझौता राशि 50 से 75 दिन में जमा करानी होगी। जो ऋणी एक मुश्त संपूर्ण राशि जमा कराएगा उसको अतिरिक्त छूट का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने सभी मृतक ऋणियों के परिजनों व शिक्षा ऋण खाते जिन में ऋणी बेरोजगार एवं बिलकुल भी ऋण चुकाने की स्थिति में नहीं है उनसे आग्रह किया कि वे इस अवसर का आधिकाधिक लाभ उठाएं एवं ऋण से मुक्ति पाएं।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव का हुआ शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव सोमवार को चिकानी स्थित लक्ष्मी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज में एडीएम शहर बीना महावर, प्रशिक्षु आईएएस सुश्री सोनू कुमारी एवं समग्र शिक्षा जयपुर से अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक डॉ. रौनक बैराकी ने उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि सुश्री सोनू कुमारी द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास में कला क्षेत्र की उपादेयता पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन प्रस्तुत करें तथा इस तरह के आयोजनों के लिए शिक्षा विभाग की सराहना की।

अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा डॉ. रौनक बैरागी ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान के 33 जिलों में से 32 जिलों के लगभग 400 बालक बालिकाएं 6 विधाओं नृत्य, गायन, वादन, थिएटर, कहानी एवं दृश्य कला में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बालक-बालिकाओं को राष्ट्रीय कला उत्सव में जाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भजेड़ा की बालिकाओं द्वारा सैनिक वेशभूषा में प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में वीर बाला परेड मुख्य आकर्षण रही। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेश कुमार गुप्ता ने अतिथियों एवं संभागियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया एवं जिला शिक्षा अधिकारी नेकीराम ने जिले में सहशैक्षणिक गतिविधियों आदि के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर एडीपीसी समसा मनोज कुमार शर्मा, एपीसी विजय शर्मा, अश्वनी शर्मा, मनोज चाचान, जितेंद्र गोयल, भाविक जोशी एवं राजेश भारद्वाज सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित व गुणवत्ता के साथ करें निस्तारण - कलक्टर

- ❒ जिला कलक्टर ने विभागीय समीक्षा बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश
- ❒ जिले में सख्ती से करावे ग्रेप के प्रावधानों की पालना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय सभागार में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि पोर्टल पर दर्ज आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारित करे। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक अधिकारी प्रतिदिन राजस्थान सम्पर्क पोर्टल का अवलोकन कर परिवेदनाओं का निस्तारण करे। जिला स्तरीय अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग करें एवं रैण्डम आधार पर निस्तारण की गई परिवेदनाओं के संबंध में परिवादियों से दूरभाष से फीडबैक लेवे। उन्होंने कहा कि आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने जिले में वायु गुणवत्ता सुधार हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि एनसीआर क्षेत्र में प्रभावी ग्रेप के दिशा-निर्देशों की जिले में सख्ती से पालना सुनिश्चित करावे। उन्होंने यूआईटी, नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहर में पानी का छिडकाव निरन्तर करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि ग्रेप के प्रावधानों के तहत जिले में संनिर्माण जैसी गतिविधियों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है अतः नगर विकास न्यास, नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभाग इसकी सख्ती से पालना सुनिश्चित करावे। उन्होंने कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक को निर्देश दिये कि कृषि विभाग के अधिकारी फील्ड में रहकर किसानों को जागरूक करें तथा सुनिश्चित करावे कि फसल के अवशिष्ट नहीं जलाए जावे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि सुनिश्चित करावे कि शहर में कचरा नहीं जले। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्य योजना के अनुरूप शहर में चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में पौधारोपण एवं अन्य निरोधात्मक गतिविधियों पर कार्य करें। बैठक में एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, यूआईटी सचिवधीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, डीटीओ सुरेश यादव, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, जीएम डीआईसी एम.आर मीना, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी दीपेन्द्र झरवाल, जिला परिषद के एसीईओ बबलीराम जाट, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली दिए आवश्यक निर्देश

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में बजट घोषणाओं व सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों की तैयारियों व विभागीय प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की बैठक आयोजित की गई।

जिला कलेक्टर ने सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर राज्य सरकार से मिले दिशा निर्देशों के अनुरूप तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 12 से 15 दिसंबर तक जिलों में भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसकी तैयारियों से जुड़े कार्य सभी संबंधित विभागीय अधिकारी शुरू करें। जिला कलेक्टर ने

कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सभी विभाग आवश्यक तैयारियां शुरू कर दें । उन्होंने मंडी सेक्रेटरी से मंडी में आ रही प्याज व कपास की आवक की जानकारी भी ली। उन्होंने डीएपी की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कोऑपरेटिव एवं एग्रीकल्चर विभाग के अधिकारियों को प्रचार प्रसार कर डीएपी के बजाय सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक का उपयोग के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुरूप बजट घोषणाओं की जल्द से जल्द व प्रभावी क्रियान्विति करें जिससे आमजन को बजट घोषणाओं का लाभ मिले सके।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने सम्भावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम, बिजली, पानी, सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ आदि की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा की।

खैरथल-तिजारा जिले में पनप रहे हैं नीम-हकीम, क्लीनिक व औझा, कर रहे हैं खुलकर मरीजों का उपचार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जब सरकारी चिकित्सालयों में उपचार की सुविधा ना मिले या यूं कहे कि वहां चिकित्सकों का अभाव हो तो मरीजों को अपने रोग का उपचार कराने के लिए प्राइवेट अस्पताल, क्लीनिक, नीम हकीम व औझाओं के पास जाना एक मजबूरी हो जाती है। सरकार बनती है ओर बड़े बड़े वादे कर घोषणाएं करती है लेकिन सही मायने में आमजन की परेशानी दूर नहीं हो पाती है। ऐसा ही पिछली सरकार के कार्यकाल में नए जिले बनाए गए जिसमें खैरथल-तिजारा भी एक नया जिला बनाया गया लेकिन समय अभाव के चलते पिछली सरकार तो वापस नहीं आ पाई लेकिन नई सरकार के आने पर आज वह जिला अनेक अभाव झेल रहा है। ऐसा ही दर्द उपचार चिकित्सा का है जिसे क्षेत्रवासी सहन कर रहे हैं।

यूं तो कहने को तो यहां सरकारी चिकित्सालय है लेकिन कुछ चिकित्सकों के अभाव व अनदेखी के चलते खैरथल-तिजारा जिले में क्लीनिक, नीम हकीम व औझा अधिक पनप रहे हैं। जिन्हें ना दवाओं का पता है ओर ना देने ओर ना बीमारी के बारे में पता होता है, बस वे जो दे दी व रामभरोसे वाली गाडी की तरहा है दवा लग गई तो वह बहुत ज्ञानी है दवा देने वाला नीम-हकीम, क्लीनिक व औझा जिसकी दवा से मरीज ठीक हो गया ओर जब बिगड़ जाता है तो पता चलता है कि पूरा जिला हिला जाता है। तब कहीं सरकारी चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारियों को भान होता है कि उन्हें इनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए अन्यथा तुम भी मस्त ओर हम भी मस्त अपनी मस्ती में। हम अपनी सरकारी नौकरी पकाएं ओर नीम-हकीम, क्लीनिक व औझा अपनी दुकान चलाएं।

इस दर्द के प्रति क्षेत्र के लोगों में रोष है लेकिन क्षेत्रीय लोगों के दर्द को सरकार, प्रशासन व चिकित्सा प्रशासन नहीं समझ सकते। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि वे समय पर सरकार, प्रशासन व चिकित्सा प्रशासन को जगाते हैं लेकिन उनका ध्यान नहीं जाता है। ऐसे में नीम-हकीम, क्लीनिक व औझा क्षेत्र में खूब पनप रहे हैं। यहां तक नीम-हकीम, क्लीनिक व औझा के पास पहुंचने वाले मरीजों को मनमाने तरीके से लूटा जाता है। एक दवा जहां दस रुपए की आती है उसे वे पचास व सौ रुपए तक की देते हैं लेकिन क्षेत्रीय लोग अपने रोग को दूर करने के लिए मजबूर होते हैं।

खैरथल-तिजारा जिले के लोगों का कहना है ओर आरोप है कि सरकारी चिकित्सालयों के आसपास तक इन नीम-हकीमों का राज है। यहीं नहीं क्षेत्रीय लोगो का यह भी आरोप है कि सरकारी चिकित्सालयों में चिकित्सालय समय में चिकित्सक नदारद रहते है या फिर वे मरीजों को हल्के में ही टरका देते हैं ओर दूसरी गली बताते हुए उन्हें चिकित्सालय समय के बाद घर आने की कह कर बुलाते हैं। क्षेत्रवासियों का यह भी आरोप है कि उनकी शिकायत के बाद भी सरकार, प्रशासन ओर चिकित्सालय प्रशासन इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करता है। ऐसी शिकायतों का बस दबा दी जाती हैं। वैसे तो यह आरोप कहां तक सही है ये तो क्षेत्रवासी ही जाने या फिर चिकित्सालय प्रशासन लेकिन यह कहा जा सकता है कि कुछ तो दाल में काला है। जहां क्षेत्रवासी आरोप लगाते हैं चिकित्सालय प्रशासन पर।

विधिक जागरूकता शिविर में महिलाओं को दी यौन उत्पीडन रोकथाम, निषेध व निवारण की जानकारी

महिलाओं को किया सावचेत ओर जागरूकता के लिए प्रेरित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा प्रेषित एक्शन प्लान के मुताबिक एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला एवं सेशन न्यायाधीश अलवर हरेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के द्वारा सोमवार को इब्तिदा संस्थान के 27वें स्थापना समारोह के कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के अधिकारों एवं महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 आदि के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन ग्राम नौंगावा, कृषि अनुसंधान केन्द्र के पास रामगढ़ अलवर में किया गया।

शिविर में मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के सचिव व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहनलाल सोनी एवं इब्तिदा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. उमेश अग्रवाल, संस्थापक राजेश शिंघी, इब्तिदा संस्थान के कार्यकारी निदेशक यतेश यादव, प्रोग्राम कॉर्डिनेटर अमरदीप सैनी, इब्तिदा संस्थान के कार्यकर्ता, ग्रामीण महिलाएं एवं इब्तिदा की सखी अधिकारी एवं अलवर जिले की विभिन्न पंचायत समितियों की महिलाएं उपस्थित हुई। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के नालसा थीम सॉन्ग एक मुट्ठी आसमान पर हक हमारा भी तो है'' के साथ किया गया।

यौन उत्पीडन के बारे में सोनी ने बताया कि अधिकांश मामलों में पुरूषों द्वारा महिलाओं को लक्ष्य कर किया जाता है, लेकिन किसी भी महिला या पुरूष को ऐसा व्यवहार सहन नहीं करना चाहिए, जो उनकी इज्जत और मर्यादा का उल्लंघन जैसे व्यवहार पर रोक लगाने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीडन (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम, 2013 पारित किया गया। यौन उत्पीडन के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति के कामकाज में अनुचित हस्तक्षेप होता है या फिर काम का माहौल भयपूर्ण, शत्रुतापूर्ण या अपमानजनक बन जाता है। यौन उत्पीडन से पीड़ित को मनोवैज्ञानिक पीडा का सामना करना पड़ता है, उसमें व्यावहारिक बदलाव होने लगते हैं तथा तनाव के कारण शारीरिक एवं मानसिक तकलीफ का शिकार होकर वह नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाता है। साथ ही कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन से उद्योग के उत्पादन में गिरावट, आपसी विश्वास एवं सहयोग में कमी होने लगती है तथा यौन उत्पीडऩ के डर से नए कर्मचारी नहीं आते, कानूनी और आर्थिक खर्चे होने लगते हैं।

उन्होंने बताया कि इस तरह से महिलाओं को डर होता है कि अगर उन्होंने यौन उत्पीडन के खिलाफ अपनी आवाज उठाई तो उन्हें दो बार पीड़ित किया जाएगा, पहले शिकायत करके और दूसरी बार उन्हें शिकायत करने के लिए पीड़ित किया जाता है। इसलिए यौन उत्पीडन संबंधी कानून का प्रचार-प्रसार करते हुए कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षा, विश्राम, स्वास्थ्य तथा साफ-सफाई का माहौल सुनिश्चित किया जाए ताकि कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रतिकूल वातावरण नहीं रहे।

उन्होंने बताया कि यह कानून उन महिलाओं पर लागू होता है जो किसी भी विभाग में कार्य करती हैं चाहे वह सरकारी क्षेत्र हो या निजी क्षेत्र हो, चाहे उस महिला का काम निश्चित वेतन पर हो या अवैतनिक हो। प्रत्येक कार्यालय में जहां महिला कार्यरत है वहां यौन उत्पीडन निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया जाए, जिसमें अध्यक्ष व एक महिला सदस्य हो तथा ऐसे प्रकोष्ठ द्वारा यौन उत्पीडन से संबंधित प्रत्येक शिकायत पर जांच कार्यवाही कर प्रत्येक दोषी व्यक्ति को दंड दिलवाए जाने की कठोर कार्यवाही की जाए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले की आशा सहयोगिनियों को दिए दिशा निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल(निस)। डॉ अरविंद गेट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल तिजारा की अध्यक्षता में खैरथल शहर की समस्त आशा सहयोगिनियों की कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल तिजारा में मीटिंग आयोजित की गई जिसमें डॉ अरविंद गेट द्वारा निम्न दिशा निर्देश प्रदान किए गए समस्त आशा सहयोगिनी प्रतिदिन 20 घरों में सर्वे करें। आशा सहयोगिनी जिस घर में सर्वे कर रही है उस घर में निम्न अनुसार कार्य करें।

HBNC -समस्त आशा सहयोगिनी गृह भ्रमण के दौरान गृह आधारित नवजात शिशु को देखभाल भी करें जिसके अंतर्गत बच्चों का वजन लेना, तापमान लेना, बच्चों मे स्वसन गति गिनना आदि कार्य करना सुनिश्चित करें। अगर शिशु में खतरे के लक्षण पाए जाते हैं तो शिशु को नजदीकी राजकीय अस्पताल में रेफर भी करें।

समस्त आशा सहयोगिनी। अपने-अपने क्षेत्र की समस्त गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन करावे तथा उनकी समस्त जांच भी समय-समय पर करना सुनिश्चित करें।

समस्त गर्भवती महिलाओ, शिशु एवं बच्चों के समय पर टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें। ऐसे बच्चे जो की टीकाकरण से वंचित है उनकी लिस्ट बनाकर उनको संबंधित टीकाकरण सत्र स्थल (राजकीय अस्पताल, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्र) पर बुलवाकर बच्चों का टीकाकरण कराया जावे।

समस्त आशा सहयोगिनी अपने क्षेत्र में एंटी लारवा एक्टिविटी जैसे स्व्हह डालना, टेमिफोस डालना, सर्वे इत्यादि कार्य करना सुनिश्चित करें जिसकी रिपोर्ट संबंधित चिकित्सा अधिकारी प्रभारी को भी करना सुनिश्चित करें।

Abha id- समस्त शेष वंचित रहे लाभार्थियों की आभा आईडी बनाई जावे ताकि डाटा का डिजिटलाइजेशन किया जा सके। Ekyc-समस्त शेष रहे वंचित लाभार्थियों की ईकेवाईसी कर आयुष्मान कार्ड बनाए जाए ताकि आमजन को सरकारी अस्पताल के साथ-साथ प्राइवेट अस्पतालों में भी निशुल्क इलाज की सुविधा मिल सके। नवाचार स्वस्थ जीवन शैली जिला कलक्टर खैरथल तिजारा द्वारा चलाए जा रहे नवाचार स्वस्थ जीवन शैली के अंतर्गत समस्त आशा सहयोगिनी अपने-अपने क्षेत्र में 30 वर्ष से अधिक के आमजन की बीपी, शुगर की प्रारंभिक जांच एवं स्क्रीनिंग करावे।

MAA- समस्त आशा सहयोगिनियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें ताकि क्षेत्र के निवासियों को सरकारी अस्पताल के साथ-साथ प्राइवेट हॉस्पिटल में भी निशुल्क जांच एवं इलाज की सुविधा प्राप्त हो सके।

परिवार नियोजन-समस्त आशा सहयोगिनियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में पुरुष नसबंदी एवं महिला नसबंदी हेतु लोगों को प्रेरित किया जावे।

समस्त आशा सहयोगिनी परिवार नियोजन के साधनों का क्षेत्र में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें ताकि ताकि गर्भवती महिलाओं को परिवार कल्याण के साधनों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके एवं उनका फायदा भी मिल सके।

राजधानी जयपुर टाइम्स

चूरू, मंगलवार
19 नवंबर, 2024

उप जिला अस्पताल में नहीं हैं पार्किंग की उचित व्यवस्था, बेतरतीब खड़े रहते है दुपहिया वाहन

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस) कस्बे के उप जिला अस्पताल मे इन दिनों मौसमी बीमारी के चलते मरीजों की संख्या में इजाफा होने से मरीजों के परिजन भी बढ़ रहे हैं और जिसके चलते मरीजों के परिजनों की मोटरसाइकिल एवं चौपहिया वाहन अस्पताल परिसर में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से बेतरतीब ढंग से खड़े रहते हैं। जिसके चलते अस्पताल परिसर में आने वाले मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों अस्पताल परिसर में सैकड़ों की संख्या में दुपहिया वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े रहते हैं। ऐसे में यदि रोगी वाहन को अस्पताल परिसर में आना पड़े, तो भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। रोगी वाहन अस्पताल के अंदर बाहर नहीं आ जा सकते हैं।

अस्पताल में आने वाले मरीजों के परिजनों व ओबीसी प्रकोष्ठ कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश चंद सैनी ने बताया कि अस्पताल परिसर में बेतरतीब ढंग से खड़े होने वाले वाहनों पर अंकुश लगाना चाहिए। जिससे मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

सर्वोदयी नेता प्रभु दयाल हाटवाल की छठी पुण्यतिथि पर गायों को खिलाया हरा चारा

जयपुर टाइम्स

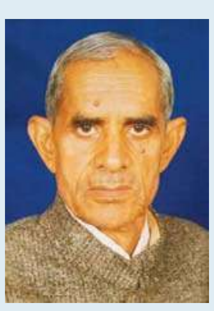

चौमूं(निस)। सर्वोदयी नेता व आदिवासी मीणा समाज के प्रदेशाध्यक्ष स्वर्गीय प्रभु दयाल हाटवाल की छठी पुण्यतिथि पर सोमवार को श्रृद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया प्रातः गढ़ गणेश मंदिर गौशाला में परिजनों द्वारा गायों को हरा चारा खिलाया गया तथा श्रृद्धांजलि दी गई तथा उनके द्वारा समाजिक कुरीतियों को बंद करने तथा सामाजिक समसरता के लिए किए प्रयासों को याद किया गया इस दौरान मुकेश हाटवाल, सुभाष हाटवाल, मनोज, रुपेश, आकांशा व राघव आदि ने गायों को हरा चारा खिलाकर श्रृद्धांजलि दी।

सहायक आचार्य संवीक्षा परीक्षा-2021, पात्रता जांच हेतु पेडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स, साइकेट्री की विचारित सूची जारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कास)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य- ब्रॉड स्पेशलिटी (चिकित्सा शिक्षा विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता जांच हेतु पेडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स एवं साइकेट्री के पदों की विचारित सूची जारी की गई है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि 6 मई 2022 को आयोजित संवीक्षा परीक्षा के फलस्वरूप पेडियाट्रिक्स के पदों हेतु 118, ऑर्थोपेडिक्स के पदों हेतु 150 एवं साइकेट्री के पदों हेतु 43 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है।

विचारित सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित किये जाने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है तथा यह साक्षात्कार हेतु सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। साक्षात्कार हेतु अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के पश्चात जारी की जायेगी। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों व नियमों के अनुसार की जावेगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी तथा पात्र पाये गये अभ्यर्थियों में से साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों का परिणाम जारी किया जाएगा। विस्तृत आवेदन पत्र अथवा दस्तावेज सत्यापन के संबंध में अभ्यर्थियों को यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा ने वन एवं पर्यावरण मंत्री राजस्थान सरकार संजय शर्मा से मुलाकात की

जयपुर टाइम्स

चोमू(निस)। भारतीय जनता पार्टी जयपुर देहात उत्तर के जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा राजस्थान सरकार के वन एवं पर्यावरणमंत्री संजय शर्मा से सचिवालय में मिले वन एवं पर्यावरण मंत्री से मिलकर जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा ने वीर हनुमान मंदिर रोपवे संचालन के संबंध में विस्तृत चर्चा की ।माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री ने वीर हनुमान समोद के रोपवे संचालन के संबंध में वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत करवा कर जल्दी ही उसको चालू करवाने का आश्वासन दिया । जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा ने बताया कि माननीय मंत्री जी जन भावनाओं से भली भाति अवगत है । क्षेत्र की जनता में वीर हनुमान मंदिर को लेकर अगाध श्रद्धा है। इस रोपवे के संचालन को शीघ्र ती शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय में संचार कौशल कार्यशाला का आयोजन

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निस)। चाकसू उपखंड क्षेत्र की राजकीय महाविद्यालय कोटखावदा में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विकास हेतु तथा भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम के तहत नवपंख संस्थान के तत्वावधान में संचार कौशल हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस में आमंत्रित मुख्य वक्ता के रूप में डॉ कीर्ति शेखावत, डॉ स्नेह सिंह, गीता चौहान द्वारा अंग्रेजी भाषा में व्यक्तित्व विकास एवं सामान्य समझ वार्तालाप को विकसित करने के लिए छात्र-छात्राओं में इनके महत्व को समझाया गया। डॉक्टर शेखावत ने बताया कि किसी भी कार्य को पुनरावृति करने से कार्य में कुशलता तीव्रता गति से होगी। इसके अलावा छात्र-छात्राओं को मध्य अन्त क्रियाओं के माध्यम से अनेक गतिविधियां आयोजित की गई।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में वानिकी एवं जैव विविधता संरक्षण समिति की साधारण सभा की 5वीं बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड की नवीं निदेशक मण्डल, दूसरी वार्षिक साधारण बैठक तथा वानिकी एवं जैव विविधता संरक्षण समिति की 5वीं बैठक, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन एवं अध्यक्ष राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड संजय शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय स्थित समिति कक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में संजय शर्मा ने आरएफबीपी द्वितीय परियोजना के कॉरपस फण्ड के बेहतर उपयोग के निर्देश दिए। जायका परियोजना निदेशक ने जायका के सहयोग से क्रियान्वित की जाने वाली नवीन परियोजना सीआरईएसईपी के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं योजना के मुख्य क्रियाकलापों के संबंध में अवगत कराया गया। शर्मा ने परियोजना से संबंधित गांवों राजीविका के स्वयं सहायता समूह से जोड़ने के लिए निर्देशित किया। साथ ही मृदा एवं जल संरक्षण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। साधारण सभा की गत बैठक के कार्यवाही विवरण का भी अनुमोदन करने के साथ ही बैठक में आगामी महत्वाकां परियोजना सीआरईएसईपी के संबंध में मंत्री एवं अन्य सदस्यों के सुझाव लिए गये साथ ही बैठक के ऐजेण्डे का भी अनुमोदन किया गया। वन मंत्री द्वारा निगम के राजस्व को बढ़ाने के लिये पर्यटन स्थलों यथा जैविक उद्यानों, चिड़ियाघरों एवं वन्यजीव अभ्यारण्यों में पर्यटन गतिविधियों को निगम के अधीन संचालित करने के निर्देश दिए गए–

बैठक में वर्ष 2021-22 लेखे पारित किये गये। राजस्थान मे ईको टूरिज्म को बढावा देने के लिये सुझावों पर विचार किया गया। वन विभाग से उक्त कार्य राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, राजस्थान को हस्तारिन्त करने पर भी विचार किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, राजस्थान एवं निदेशक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड अपर्णा अरोरा ने निगम की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निगम के बोर्ड सदस्यों से एक 3-4 सदस्यों की कार्यकारिणी समिति के गठन का सुझाव दिया गया, जिसको वन मंत्री द्वारा अनुमोदित कर दिया गया। बैठक में निगम द्वारा राजस्व बढ़ाने के लिये पर्यटन स्थलों यथा जैविक उद्यानों, चिड़ियाघरों एवं वन्यजीव अभ्यारण्यों में पर्यटन गतिविधियों को शुरू करने पर चर्चा की गई।

निदेशक मण्डल की बैठक में इको-टूरिज्म तथा अन्य गतिविधियों के जरिए राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, राजस्थान के राजस्व को बढ़ाने के उद्देश्य से निदेशक मण्डल द्वारा एक कार्य समिति के गठन के निर्देश दिए गए। उक्त समिति निगम के बिजनेस प्लान तथा इसकी कार्य प्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु भी निदेशक मण्डल को सुझाव देगी। बैठक में अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, राजस्थान, अरिजीत बनर्जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख), राजस्थान, उदय शंकर, प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, राजस्थान, के.सी.ए. अरूणप्रसाद, अति. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, एम. एण्ड ई. एवं बीजो जॉय, विशिष्ट शासन सचिव, वन विभाग तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक यादव ने नगरपालिका मनोहरपुर में की अग्निशामक वाहन की माँग

- शनिवार को मंगलम ओधोगिक क्षेत्र में आगजनि की हुई थी घटना
- जिसमे करोड़ों का सामान हुआ था ख़ाक

जयपुर टाइम्स

शाहपुरा (निस) विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने नगरीय विकास एव स्वायत शासन मंत्री को पत्र लिखकर मनोहरपुर नगरपालिका में अग्निशामक वाहन आवंटित करने की माँग की।विधायक ने कहा कि श्रमिको की सूझ-बुझ से टली बड़ी जनहानि।विधायक ने कहा कि मनोहरपुर नगरपालिका का गठन 19 जुलाई 2022 को किया गया था, जो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 से लगता हुआ है। उक्त नगरपालिका के क्षेत्राधिकार में राजस्व ग्राम मनोहरपुर व प्रतापपुरा है। नगरपालिका क्षेत्र की आबादी लगभग 27000 हजार है, तथा क्षेत्रफल लगभग 1766 है0 है। उक्त नगरपालिका क्षेत्र में लगभग 6.0 है0 में मंगलम औधोगिक क्षेत्र स्थापित है, तथा राजमार्ग संख्या 48 पर स्थित मनोहरपुर टोल बूथ भी नगरपालिका के क्षेत्र में ही है। परन्तु गठन के पश्चात आज तक मनोहरपुर नगरपालिका क्षेत्र में अग्निशामक वाहन की उपलब्धता नही हैं। क्षेत्र में आगजनी जैसी घटनाएं होने पर अग्निशामक वाहन नगरपरिषद शाहपुरा से भिजवाई जाती है, जिसकी नगरपालिका क्षेत्र से दूरी लगभग 10 किलोमीटर है। कस्बे के मंगलम औधोगिक क्षेत्र में स्थित फैक्ट्रीयों में हजारों श्रमिक कार्य करते है। गोरतलब है कि क़स्बे में गत शनिवार को मंगलम औधोगिक क्षेत्र स्थित हाईकेयर हाईजिन प्रा0 लिमिटेड कंपनी में आगजनी की घटना घटित हुई। तत्समय भी कंपनी में सैकडों श्रमिक कार्य कर रहे थे। कंपनी में आगजनी की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी गई परन्तु मनोहरपुर नगरपालिका में अग्निशामक वाहन नही होने के कारण अग्निशामक वाहन नगरपरिषद शाहपुरा से भिजवाया गया, जिसमें दूरी होने के कारण समय लगना संभावित था तथा देखते-देखते आग ने विकराल रूप ले लिया तथा कंपनी में रखी मशीनरी व कच्चा व तैयार माल जलकर राख हो गया है, जिसमें करोडों रूपयें का नुकसान हो गया। समय रहते श्रमिकों की सूझ-बूझ ने बहुत बडी जनहानि को रोक लिया अन्यथा बडी जनहानि हो जाती है। विधायक ने कहा कि नगरपालिका मनोहरपुर में अग्निशामक वाहन शीघ्र आवंटित किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनर्रावर्ति ना हो।

दो बीघा भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-05 न्यू आतिश मार्केट के पास द्रव्यवती नदी के बहाव क्षेत्र निजी खातेदारी करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विष्नोई ने बताया कि जोन-05 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित न्यू आतिश मार्केट के पास, द्रव्यवती नदी के बहाव क्षेत्र निजी खातेदारी करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-05 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-05 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 58 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिष्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित षिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24म7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल cce.jda@rajasthan.gov.in & enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की षिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

उत्कृष्ट कार्य को अंतरराष्ट्रीय संस्था भारत सौका गक्कई ने चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड से नवाजा

दूर हटेगा बांझपन का अंधेरा हर आंगन होगा किलकारी का बसेरा- डॉ मिनाक्षी सांवरिया

जयपुर टाइम्स

चाकसू-(निस) चाकसू कोटखावदा स्टेट हाइवे 2 पर सांवरिया हॉस्पिटल संस्थापक डॉ मिनाक्षी सांवरिया को रानी लक्ष्मीबाई समर्पण समाज गौरव 2024 अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं इनसे उत्कृष्ट कार्य को अंतराष्ट्रीय संस्था भारत सौका गक्कई ने चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड से नवाजा, आप नारी गौरव सम्मान,नारी शक्ति सम्मान, विश्व रत्न डॉक्टर अंबेडकर कीर्ति सम्मान एवं एक नारी सौ पे भारी के द्वारा वूमेन डायरेक्टर ऑफ द ईयर , प्रभात पोस्ट के द्वारा आप इंस्पायरिंग इंडियन लेडीज अवार्ड के रूप में सम्मानित हो चुकी है। आप अपने दैनिक चिकित्सकीय की अभ्यास के दौरान महिला स्वच्छता, महिला शिक्षा के लिए महिलाओं को प्रेरित करती हैं। जो महिला अनपढ़ होती है उसे अपनी पुत्री को शिक्षित करने के लिए प्रेरित करती है।

महिला शिक्षा के उजालों के बारे में बताती हैं।आप समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह, डायन प्रथा का पुरजोर विरोध करती हैं और इनको जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए महिलाओं को प्रेरित करती है। महिला निसंतानता पर आप अतिरिक्त जोर देती हैं। वहीं डॉ आर सांवरिया ने बताया कि डॉ मीनाक्षी का जन्म जिला रेवाड़ी हरियाणा में हुआ। यह विवाहपरांत राजस्थान राज्य के चाकसू तहसील की निवासी बनी। सन 2008 में आपका चयन राजकीय सेवा में आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर के रूप में हुआ।

संसदीय कार्य मंत्री ने जोधपुर में 161.01 लाख रुपए की लागत के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

राइजिंग राजस्थान समिट प्रदेश के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी–जोगाराम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को जोधपुर में ग्राम पंचायत पाल में पुलिस चौकी पाल से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को जोड़ते हुए इंद्रोका नाडा तक 119.25 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य एवं महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पाल में 41.76 लाख रुपए की लागत से पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर कक्ष के निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। पटेल ने कहा कि आगामी दिसंबर माह में प्रदेश के समग्र आर्थिक विकास को समर्पित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट होने वाली है। इस समिट से पूर्व सभी जिलों में इन्वेस्टर मीट में लगभग 18 लाख करोड़ रुपए से अधिक एमओयू साइन हो चुके है। इस आयोजन से प्रदेश भर में निवेश के अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है, जो राजस्थान के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

युवाओं को रोजगार देने के लिए कृत संकल्प प्रदेश सरकार

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक लाख एवं आगामी 5 वर्षों में चार लाख सरकारी नौकरी दी जाएगी। साथ ही निजी क्षेत्र में भी 10 लाख युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो पायेंगे।

पटेल ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में करीब 50000 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने का कार्य मिशन मोड पर चल रहा हैं। साथ ही वर्षों बाद ड्राइवर एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों के पदों पर शीघ्र भर्ती की जाएगी।

विद्यालयों को चरणबद्ध रूप से विकसित किया जाएगा

पटेल ने कहा कि प्रदेश के सभी विद्यालयों को चरणबद्ध रूप से विकसित किया जाएगा। जनभागीदारी से विद्यालयों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। निजी विद्यालय की अपेक्षा सरकारी विद्यालय का महत्व बढ़े इसके लिए हम मिलकर प्रयास करेंगे।

आगामी 3 वर्ष में पाल पंचायत के सड़क तंत्र को सुदृढ़ किया जाएगा

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि पाल सघन आबादी वाला क्षेत्र है, यहां पर जनभावना के अनुरूप नगरीय सुविधाएं विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पाली औद्योगिक क्षेत्र और पचपदरा रिफाइनरी के प्रारंभ होने पर पाल क्षेत्र पर यातायात भार बढ़ेगा। उसको ध्यान में रखकर आगामी 3 वर्ष में पाल पंचायत के सड़क तंत्र को सुदृढ़ किया जाएगा।

बजट घोषणाओं की क्रियान्वित के लिए की जा रही प्रभावी मॉनिटरिंग

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा प्रदेश के ऐतिहासिक बजट में लूणी क्षेत्र को अनेक सौगातें मिली है। वर्तमान में लूणी क्षेत्र में लगभग 3 अरब से भी अधिक राशि के विकास कार्य चल रहे है। बजट घोषणाओं के क्रियान्विती के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन संबंधी कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

पेयजल समस्या के समाधान के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी

पटेल ने कहा कि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों एवं ग्रामवासियों के आपसी सामंजस्य के साथ पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी। कार्यक्रम में सम्बंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सुविचार

कुछ अलग करना हो तो भीड़ से हट के चलिए, भीड़ साहस तो देती है, मगर पहचान छिन लेती है।

संपादकीय .....

कौन जिम्मेदार?

उत्तर प्रदेश के झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के बच्चों के वार्ड में आग लगने से 10 शिशुओं की मौत और 16 शिशुओं का झुलसना अत्यंत दु:खद है। क्या चिकित्सा के इतने बड़े संस्थान में आग पर काबू पाने के लिए कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं थी? अगर थी तो यह सब कैसे हुआ? जिन लोगों ने इस हादसे में अपनों को खो दिया, उन्हें इसका ज़िंदगीभर दु:ख रहेगा। इसका जिम्मेदार कौन है? क्या देश के अन्य अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में ऐसे हादसों को रोकने के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं? यह इस किस्म का पहला हादसा नहीं है। देश में हर साल आग लगने की विभिन्न घटनाओं में बहुत लोग जान गंवा देते हैं। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो वायरल होते हैं। मीडिया इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाता है, व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। सरकारें 'किसी को बख्शा नहीं जाएगा' जैसे बयान देकर दो-चार अधिकारियों-कर्मचारियों को कुछ समय के लिए निलंबित कर देती हैं। विपक्ष सत्ता पक्ष को कोसता है। यह अलग बात है कि जब वह खुद सत्ता में होता है तो भी ऐसे हादसे होते हैं, लोगों की जानें जाती हैं। बस, आम आदमी पिस रहा है। उसे इन्साफ कहां से मिले? जिन परिवारों के बच्चे महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती थे, वे तो उन्हें सकुशल घर लेकर जाना चाहते थे। हर परिवार यही चाहता है। कौन जानता था कि अस्पताल में ज़िंदगी की जगह मौत मिलेगी! प्राय: सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों पर कुप्रबंधन एवं लापरवाही के आरोप लगते रहते हैं। ऐसे ज्यादातर संस्थानों में इलाज कराने कौन जाता है? आम आदमी; बड़े-बड़े महंगे प्राइवेट अस्पतालों का बिल भरने की तो उसकी हैसियत नहीं! तो उसके लिए व्यवस्था कौन सुधारे?

महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज बुंदेलखंड क्षेत्र में सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक है। कम-से-कम यहां तो अफसरों को विभिन्न हादसों के पहलू को लेकर सतर्क रहना चाहिए था। हादसे सूचना देकर नहीं आते। उन्हें रोकने के लिए पहले से तैयारी करनी होती है। व्यावसायिक / रिहायशी इमारतों में भी अग्निशमन से जुड़ी व्यवस्था की ओर खास ध्यान नहीं दिया जाता। जब कभी अखबार में खबर छपती है और उसे पढ़कर कोई व्यक्ति सुझाव देता है कि 'हमें भी एक अग्निशमन यंत्र ले लेना चाहिए', तो उसे हतोत्साहित करने वाले लोग यह तर्क देकर चुप कराने की कोशिश करते दिख जाएंगे कि 'अरे! यहां थोड़े ही आग लगी है ... हमारे यहां तो अब तक ऐसा कुछ हुआ नहीं ... इसकी क्या जरूरत है ... क्यों फालतू में पैसे खर्च करें ... कोई फायदा नहीं, यह यंत्र वर्षों काम नहीं आएगा ... अरे! यह तो यूं ही पड़ा-पड़ा धूल फांकता रहेगा!' अगर कहीं लगा भी लिया तो यह देखने की 'ज़हमत' करने वाले बहुत कम होंगे कि यंत्र कितना पुराना हो गया ... यह काम भी करता है या नहीं ... इसे बनाने वाली कंपनी से कितनी बार संपर्क किया ... अगर जरूरत पड़ने पर इसमें खराबी आ गई तो वैकल्पिक व्यवस्था क्या हो सकती है? हमारी व्यवस्थाओं में इतनी सुस्ती, इतनी लापरवाही, इतनी अदूरदर्शिता, इतनी निष्क्रियता क्यों है? जब किसी अस्पताल, कॉलेज, स्कूल आदि की इमारत का उद्घाटन करवाना हो तो नेता और अफसर फीता काटते हुए तस्वीरें खिंचवाते हैं, बड़े-बड़े भाषण देते हैं। उस दौरान उन्हें सबसे पहले यह सवाल पूछना चाहिए कि यहां लोगों की सुरक्षा के लिए क्या प्रबंध किए गए हैं और वे पर्याप्त हैं या नहीं? नेता और अफसर उपलब्धियों का श्रेय लेते हैं। उन्हें ऐसे हादसों की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। अस्पतालों, सार्वजनिक महत्त्व की इमारतों के नाम महान विभूतियों के नाम पर रख देना ही काफी नहीं है। वे लोग, भारतवासियों को सुरक्षित भविष्य देना चाहते थे। इसके लिए भी कुछ करें।

ट्वीटर टॉक

आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के संदर्भ में जलगांव सिटी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री सुरेश दामू भोले जी के समर्थन में आयोजित राजस्थानी प्रवासी सम्मेलन में प्रबुद्ध जनों को संबोधित किया व सभी से भाजपा के पक्ष में रिकॉर्ड मतदान करने का आह्वान किया।

-भजनलाल शर्मा

गुलाबी नगरी के नाम से विश्व भर में प्रसिद्ध जयपुर के संस्थापक, मेरे पूर्वज, धर्मानुरागी परम आदरणीय महाराज सवाई जयसिंह जी द्वितीय की जयंती के उपलक्ष पर श्री राजपूत सभा जयपुर द्वारा आयोजित समारोह में भाग लिया।

-दीया कुमारी

जोधपुर में एलिवेटेड रोड निर्माण प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ होने का उत्साह और हर्ष इस बार यहाँ मिले स्वागत में नज़र आया। मैं साथियों-सहयोगियों का आभारी हूँ कि वे मेरे हर संकल्प में निस्वार्थ साथ खड़े रहते हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सत्य की तलाश से ज्ञान

एक बार जब दारा शिकोह को सत्ता संघर्ष के दौरान मुगल सेवकों द्वारा जहर दिया गया था, तब वह सिख गुरु हर राय के पास गए। गुरु हर राय ने 17वीं शताब्दी में दारा शिकोह को खुशी से शरण और शिक्षा दी थी। गुरु हर राय ने दारा शिकोह को गहन चिकित्सा सेवा प्रदान की और उसे सेहतमंद होने में मदद की। इसके बाद दारा शिकोह का जीवन के प्रति नजरिया बदल गया। उसने भगवद्गीता और उपनिषद जैसे हिंदू धर्मग्रंथों का फारसी में अनुवाद किया और बाद के अध्ययन में शंकराचार्य की टिप्पणियों का बारीकी से मनन किया। नैतिक जीवन को समझा। साथ ही 52 उपनिषदों का अनुवाद 'सिर्र-ए-अकबर' नाम से किया। दारा अपने गुरु हर राय के प्रति विनम्र रहे, जिन्होंने 17वीं शताब्दी में बेसुध हाल में उसे शरण के साथ यह शिक्षा दी थी कि ज्ञान के लिए सबसे ज़रूरी बात यह है कि उस व्यक्ति को केवल सत्य की तलाश के लिए बेचैनी होनी चाहिए।

सामयिक

ट्रम्प की विजय और भारत

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, ज़ब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी।

वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है।

अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आख़िरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है।

विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा।

अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानि पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं।

हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, ज़ब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। हम जानते हैं कि अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के विरोध में कैसे कार्यवाही कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रम्प के पुनः आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि अब पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

विशेष

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

जया वर्मा सिन्हा

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है। कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ़ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं - उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी।

इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है।

अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये - यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है- चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। ?

अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया।

विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की। भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है।

जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलूरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुज़ुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।

भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है।

■ लेखिका भारतीय रेल की पहली महिला चेयरमैन एवं सीईओ है

नजरिया

सुसंस्कृत, शिक्षित नारियां राष्ट्र की धरोहर

भारत में ही नहीं पूरे विश्व में स्त्रियां उनके नैसर्गिक सम्मान की हकदार हैं। स्त्रियों का यथोचित सम्मान ही किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी हैं। पुरानी मान्यताओं को देखते हुए परिवार समाज तथा देश में स्त्रियों को अग्रणी स्थान देना तय किया जाना चाहिए। भारत देश में नारी पूज्यंते हैं, नारी को नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है। शास्त्रों में देवी के नौ स्वरूप शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महागौरी, कालरात्रि, सिद्धिदात्री, देवियों के नौ रूप जो आतताइयों, राक्षसों से नारियों तथा देवताओं की रक्षा करती हैं पर भारत में ही नहीं पूरे विश्व में मुख्यतः व्याप्त पुरुष प्रधान समाज ने एक ऐसी सामाजिक संरचना का निर्माण किया है, जिसमें प्रत्येक निर्णय लेने संबंधित अधिकार पुरुषों के पास ही सीमित रहे हैं। आदिम समाज से लेकर आधुनिक समाज तक विश्व की आधी दुनिया के प्रति भेदभाव पूर्ण दृष्टिकोण रखा गया है। जिसने कभी भी स्त्री को व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया है। भारतीय समाज में भी प्राचीन नीतिकारों ने स्त्रियों को पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जीने की शास्वत वकालत की है. हमारे धर्म धर्मशास्त्रों में भी 'प्राप्ते तू दशम वर्षे, यस्तु कन्या न यछ्सी', अर्थात कन्या को 10 वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते उसका विवाह कर दिया जाना चाहिए। इस तरह की कुंठित भावनाओं से ग्रसित पुरुष समाज की मानसिकता वाली शिक्षा हर तरफ देखने मिलती है। यह सच है कि पुरुष प्रधान मानसिकता ने स्त्रियों को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार ही नहीं किया था। बल्कि तथाकथित लोकतांत्रिक एवं आधुनिक मूल्यों वाले पश्चिमी समाज ने महिलाओं को 1920 तक व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया था।

पश्चिम के देशों में व्यक्ति मतलब उनका तात्पर्य पुरुष और पुरुष समाज से ही था। इंग्लैंड में व्यक्ति को वोट देने का अधिकार था। लेकिन महिलाएं 1918 तक वोट देने के अधिकार से वंचित थी। अमेरिका में 1920 तक महिलाएं वोट देने का अधिकार के बिना ही जीवन यापन कर रही थी। विश्व में पहली बार भारत में व्यक्ति के अंतर्गत महिला को शामिल किया गया था इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी नामक महिला के वकालत करने संबंधी आवेदन को एक व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया। इस तरह 1920 में महिला व्यक्ति के रूप में भारत में उच्च न्यायालय द्वारा आदेश देकर स्वीकारोक्ति प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1929 के आसपास ही महिला को व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया गया। भारत में सदैव नारी को अबला का दर्जा दिया जा कर एक अवैतनिक श्रमिक अथवा भोग की वस्तु के रूप में देखा है। जहां समाज की आधी आबादी को व्यक्ति का दर्जा ही प्राप्त नहीं हो, वहां उसके साथ समानता के व्यवहार की अपेक्षा कैसे की जा सकती है।पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन ने नारी को पुरुष से ज्यादा सामर्थ्यवान मानते हुए उसे नर की सहचरी कहा है।

प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने अपने एक लेख में कहा है वास्तव में स्त्रियां जन्म से अबला नहीं होती हैं। उन्हें पुरुष समाज अबला बनाकर रखता है। जन्म से शिशु बालिका की जीवन शक्ति शिशु बालक की तुलना में बहुत प्रबल होती है। लेकिन समाज अपनी संस्कृति, रीति रिवाज, प्रतिमान तथा जीवन के मूल्यों के लिए तथा जीवन शैली के चलते नारी को अबला बना कर रख देता है। पर आज नारी के क्रांतिकारी दर्शन जैसे नारीवाद पर्यावरण वाद मानव अधिकार वाद ने नारी यानी महिला को बराबरी का दर्जा देने का लगातार प्रयास किया है। महिला सशक्तिकरण के प्रयास में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया जाता है, जिसकी शुरुआत अमेरिका द्वारा 28 जनवरी 19 को की गई थी आगे चलकर रूस की महिलाओं द्वारा 1917 में महिला दिवस पर रोटी कपड़ा एवं बराबरी के लिए अधिकार की मांग रख हड़ताल भी की गई थी। भारत के परिपेक्ष में देश में नारियों का ऐसा वर्ग भी है जो सजग जागरूक शिक्षित एवं नौकरी पेशा है।उसे अपने अधिकार का तथा सामर्थ का पूर्ण ज्ञान है। भारत की महिला आज पुरुषों के साथ स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग, थल, जल, वायु सेना, रेल, बस, प्रशासन तथा अंतरिक्ष में कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही है। राजनीति में वैश्विक स्तर पर श्रीलंका की श्री मांओ भंडार नायके, ब्रिटेन की मार्गरेट थैचर, भारत की श्रीमती इंदिरा गांधी,इजराइल की

गोल्डा मायर ऐसी महिलाएं थी, जिन्होंने इतिहास बनाया है।वर्तमान में भारतीय मूल की अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन तथा मंत्री स्मृति ईरानी, किरण बेदी तथा अंतरिक्ष विज्ञानी स्वर्गीय कल्पना चावला ऐसे उदाहरण है इसके अलावा देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तो इतिहास ही रच दिया है उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेंगा। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपना परचम फैला रही है। भारत सरकार में भी सशक्त महिलाएं कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त कर सरकार मैं अपनी सहभागिता प्रदान कर रही है। अंतरिक्ष में भारतीय मूल की कल्पना चावला ने अपना सर्वस्व त्याग कर राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति भारतीय मूल की कमला हैरिस भी भारत तथा महिलाओं का गौरव बढ़ाकर महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त उदाहरण बनी है। पर दूसरी तरफ भारत की जनसंख्या की 65 महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र में केवल 457 शिक्षित है,और शहरी महिलाएं ग्रामीण महिलाओं से थोड़ी ज्यादा शिक्षित हैं पर पूरे 121 करोड़ की जनसंख्या में महिलाओं का भागीदारी का प्रतिशत अत्यंत न्यून है। अत्यंत कम प्रतिशत महिलाएं ही शिक्षा, समानता, निजता के अधिकार का उपयोग कर पा रही। ऐसे में यदि नारी सशक्तिकरण की अवधारणा को माना जाए तो भारत के परिपेक्ष में नारी उत्पीड़न हर क्षेत्र हर प्रदेश तथा देश की राजधानी दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा बड़े महानगरों में हो रहा है।नारी के ऊपर होते बलात्कार अत्याचार तथा शोषण की कहानियां रोज अखबारों में दिखाई देती है।

भारत में नारी सशक्तिकरण की स्थिति बहुत बेहतर नहीं कहा जा सकति है। सर्वे के अनुसार प्रति मिनट भारत में 800 महिलाएं किसी न किसी तरह से प्रताड़ना का शिकार हो रही है।ऐसे में शिक्षित महिलाओं को ही नारी सशक्तिकरण को मजबूत बनाने के लिए शासन प्रशासन से कंधे से कंधा मिलाकर प्रयास करने की जरूरत होगी।

विजय की आखिरी फिल्म दलपति 69 में शामिल होंगे शिवा राजकुमार? निभाएंगे दिलचस्प किरदार

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार अपनी फिल्म भैरथी रानागल का सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। अब इस फिल्म के प्रचार के दौरान हाल ही में अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्हें साउथ सुपरस्टार विजय की आखिरी फिल्म दलपति 69 में एक भूमिका की पेशकश की गई है।

विजय की फिल्म में मिली भूमिका

शिवा ने तमिल सिनेमा में जेलर और कैप्टन मिलर में अपने कैमियो के जरिए पहचान बनाई। वह राम चरण के साथ आने वाली तेलुगु फिल्म में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। प्रचार के दौरान शिवा राजकुमार ने दलपति 69 में मिली भूमिका के प्रस्ताव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, विजय की फिल्म में उन्होंने मुझसे एक खूबसूरत किरदार निभाने के लिए कहा है और यह दिलचस्प लग रहा है। मुझे नहीं पता कि यह कब और कैसे होगा, क्योंकि मेरे पास अभी भी समय है।

शिवा ने की विजय की तारीफ

उन्होंने इस संभावना पर भी बात की कि यह वास्तव में विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है। उन्होंने कहा, वह कह रहे हैं कि यह विजय की आखिरी फिल्म होगी। मुझे लगता है कि विजय जैसे कलाकार को यह नहीं कहना चाहिए कि यह उनकी आखिरी फिल्म है। व्यक्तिगत रूप से एक दोस्त और शुभचिंतक के रूप में मुझे लगता है कि विजय एक शानदार अभिनेता और अच्छे इंसान हैं, जिन्हें फिल्मों और राजनीति दोनों की गहरी समझ है।

फिल्म में काम करेंगे शिवा?

उन्होंने आगे कहा, उनकी महत्वाकांक्षा शानदार है और मैं इसके लिए उनका सम्मान करता हूं। शिवा ने अपनी रुचि व्यक्त करते हुए कहा कि दलपति 69 में काम करने का अवसर प्राप्त करना पसंद करेंगे। एच. विनोत द्वारा निर्देशित दलपति 69, विजय की राजनीति में पूरी तरह से उतरने से पहले की आखिरी फिल्म होगी। अक्तूबर 2025 में रिलीज होने वाली इस फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस ने किया है, जो तमिल सिनेमा में उनकी शुरुआत है। कथित तौर पर कहानी में विजय को लोकतंत्र के पथ प्रदर्शक के रूप में दिखाया गया है, जो तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) राजनीतिक पार्टी की स्थापना सहित उनके हालिया राजनीतिक घटनाओं से मेल खाता है।

दलपति 69 के कलाकार

दलपति 69 फिल्म में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रियमणि और प्रकाश राज जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है, जो विजय के साथ अपने सफल सहयोग के लिए जाने जाते हैं, जिससे साउंडट्रैक के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं।

मैंने बॉडी और कर्ली बालों को लेकर बहुत कुछ सुना

साउथ फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस नित्या मेनन को हिंदी दर्शकों ने मिशन मंगल में एक प्यारी-सी भूमिका में देखा था। नित्या कन्नड़, मलयालम, तेलुगू जैसी सभी भाषाओं की फिल्मों में काम करके कई पुरस्कार हासिल कर चुकी हैं, मगर हाल ही में जब उन्हें अपनी साउथ मूवी थिरुचित्रम्बलम के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला, तो निसंदेह वह उनके करियर के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ।

जिस दिन आपके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा हुई, कैसा महसूस हुआ?

जिस दिन नेशनल अवॉर्ड की घोषणा हुई थी, वो दिन बहुत यूनिक और खास था। असल में सालों काम करते हुए हम उसमें रम जाते हैं और हमें लगता है कि इतने साल बाद हमें शायद कुछ नया अनुभव नहीं होगा। लेकिन उस दिन सब कुछ नया था। मैंने अपने भीतर काफी नए इमोशन फील किए। मैं कई फिल्में कर चुकी हूं और मुझे कई अवॉर्ड्स भी मिले हैं, मगर जब राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, तो लगा कि हां, अब हो गया। कहीं पहुंच गई हूं। सच कहूं, तो मैंने अपनी एनर्जी इस बात पर कभी नहीं लगाई कि मुझे अवॉर्ड मिले।

आप तो पत्रकार बनना चाहती थीं, फिर अभिनेत्री कैसे बन गईं?

हां, मैं मास मीडिया कर रही थी। मेरी एक बहुत करीबी दोस्त है नंदिनी, रेड्डी वो फिल्म मेकर है। वही मुझे इस क्षेत्र में लाई। उसने मुझसे कहा कि सिर्फ दो महीने के लिए एक फिल्म (अला मोडलऐंडी) में काम कर लो। फिर जो चाहो करो। वो तो पूरा साल भर फिल्म शूट करती रही। मगर ट्विस्ट ये था कि फिल्म रिलीज हुई और इतनी बड़ी हिट साबित हुई कि मैं लौट कर जर्नलिज्म के क्षेत्र में जा ही नहीं पाई। अब पीछे मुड़ कर देखती हूं, तो लगता है कि ये भगवान की ही प्लानिंग थी मेरे लिए।

अपनी फिजिकैलिटी के लिए आपको कभी बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा है?

जब आप उनके पैमाने में एक खास साइज में फिट नहीं बैठते, तब आपको तो सुनना ही पड़ता है। मेरी बॉडी के बारे में जब बात की जाती थी, तब मुझे लगता था कि ये लोग ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे शरीर के अलावा मेरा और कोई वजूद ही न हो, तो क्या मैं सिर्फ बॉडी हूं? कृपया मुझे सिर्फ बदन तक सीमित मत रखो। फिर मैंने बहुत सोचा। मुझे लगा कि मुझे हीन भावना से ग्रसित नहीं होना है। मेरी जो क्रिएटिविटी है, मेहनत है, मेरे व्यक्तित्व के जो अन्य पहलू हैं, आप उन पर बात कर सकते हैं। मेरी बॉडी ही नहीं, मेरे कर्ली बालों को लेकर भी बहुत कुछ कहा जाता था कि ये इतने घुंघराले क्यों हैं? इन्हें स्ट्रेट करो। आईब्रोज इतने मोटे क्यों हैं, पतले करो। अब देखती हूं, तो लोग पैसे देकर अपने बाल कर्ल करवाते हैं।

सोशल मीडिया आज के दौर में बहुत जरूरी हो गया है, मगर ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं आप?

उसे तो हैंडल करना ही पड़ता है। अपने सोशल मीडिया पर हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। आम तौर पर हमें पॉजिटिव कमेंट ही मिलते हैं, मगर कभी एकाध नेगेटिव कमेंट हो, तो फिर वो दिल को लग जाता है। मेरी एक दोस्त है, वो कहती है, नकारात्मक कमेंट को निकाल और बाकी के हजारों कमेंट्स को देखो और खुश हो जाओ। मैं वही तरीका अपनाती हूं।

पैप कल्चर के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

कई बार ये ज्यादा हो जाता है। यानी लगता है कि संवेदनशीलता नहीं बची। किसी के घर में मौत हो गई है, मगर इन्हें फोटोज निकालने ही हैं, ऐसे समय में लगता है कि मानवता शून्य हो गई है और पैसा जरूरी। जब सेलेब्स मुश्किल से गुजर रहे हो, तो समझना जरूरी है कि वो भी इंसान हैं और उन्हें कैसा महसूस हो रहा होगा।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी ने शुरू की धड़क 2 की शूटिंग

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी वर्तमान में अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा धड़क 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म 2018 की हिट धड़क की बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसमें जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर ने डेब्यू किया था। मूल फिल्म समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी। प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि नई स्टार कास्ट और कहानी के साथ सीक्वल कैसा होगा।

फिल्म की शूटिंग का शुभारंभ

तृप्ति और सिद्धांत ने शूटिंग शुरू कर दी है। सेट से एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। दोनों की तस्वीर महाराष्ट्र के सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय में खींची गई थी। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर में दोनों कलाकार कॉलेज का कोई सीन फिल्माते हुए दिखाई दे रहे हैं और बातचीत के दौरान सीढ़ियां चढ़ते भी दिखाई दे रहे हैं। तृप्ति प्रिंटेड टॉप और जींस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, वहीं सिद्धांत का लुक काफी अव्यवस्थित था।

फिल्म के कलाकार और टीम

तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनीत धड़क 2, 2018 की तमिल भाषा की फिल्म परियेरम पेरुमल की रीमेक है। फिल्म समाज में प्रचलित जाति-आधारित भेदभाव के विषय पर आधारित है धड़क 2 को करण जौहर, उमेश केआर बंसल, हीरू यश जौहर, अपूर्व मेहता, मीनू अरोड़ा और सोमेन मिश्रा निर्मित कर रहे हैं। इस साल मई में करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए धड़क के सीक्वल की पुष्टि की थी और धड़क 2 की रिलीज की घोषणा की थी। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। करण जौहर ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, यह कहानी है थोड़ा अलग सा एक था राजा, एक थी रानीझ्र जात अलग थीज्खतम कहानी। पेश है सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत धड़क 2। निर्देशन शाजिया इकबाल ने किया। धड़क 2, 22 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में आएगी। हालांकि, अब तक, रिलीज को अगले साल के लिए टाल दिया गया है। निर्माताओं की नजर फिल्म को फरवरी में किसी समय रिलीज करने पर है।

डॉक्टर बनना चाहती थीं श्रीलीला

साल 2024 की बहुचर्चित फिल्मों में से एक अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा-द रूल' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। मूवी की रिलीज का काउंट डाउन शुरू हो गया है। फिल्म में एक आइटम सॉन्ग की पिछले दिनों काफी चर्चा रही, जिसके लिए कई एक्ट्रेस के नाम सामने आए थे। इसमें श्रद्धा कपूर और तृप्ति डिमरी जैसी एक्ट्रेस के नाम सुर्खियों में रहे लेकिन, बीते दिन ही साफ हो गया कि इस आइटम नंबर दोनों एक्ट्रेस ही नहीं कर रही हैं बल्कि इसके लिए साउथ की ब्यूटी क्वीन श्रीलीला का नाम फाइनल किया गया है। इससे उनका फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर ऑफिशियल ऐलान भी कर दिया गया है। ऐसे में चलिए बताते हैं उनके बारे में। श्रीलीला बचपन से ही पढ़ाई में होनहार थीं साथ ही डांसिंग में भी काफी मन लगता था। ऐसे में फिल्मों में करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। साल 2017 में तेलुगु फिल्म 'चित्रांगदा' में बाल कलाकार के तौर पर दिखी थीं। फिल्मों से उनका रिश्ता 5 साल पुराना है। बतौर लीड वो पहली बार फिल्म 'किस' में नजर आई थीं। इसमें उनके काम की काफी तारीफ की गई थी। इसे साल 2019 में रिलीज किया गया था और उनकी ये कन्नड़ फिल्म थी।

मासूम 2 में शबाना आजमी और नसीरुद्दीन शाह के साथ नजर आएंगे मनोज बाजपेयी

निर्देशक शेखर कपूर ने हाल ही में अपनी फिल्म मासूम के सीक्वल की घोषणा की है। यह फिल्म 1983 में पहली बार आई थी। फिल्म सीक्वल मासूम 2 में शबाना आजमी और नसीरुद्दीन शाह वापसी करने वाले हैं। इसमें उनके साथ अभिनेता मनोज बाजपेयी भी होंगे। नई दिल्ली में 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के लिए यह खबर साझा की। इस दौरान निर्देशक शेखर कपूर ने कहा, अगले साल 2025 में फरवरी-मार्च में हम फिल्म मासूम 2 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। निर्देशक ने कहा, स्क्रिप्ट तैयार है। वास्तव में, मैं कल दुबई से उड़ान भर रहा था और मैंने अपनी सीट पर स्क्रिप्ट छोड़ दी। उन्होंने बताया कि कैसे स्क्रिप्ट, जो लगभग खो गई थी, को एक फ्लाइट अटेंडेंट ने एक भावपूर्ण नोट के साथ लौटाया, जिसमें उन्हें भारतीय सिनेमा में फिल्म के विशेष स्थान की याद दिलाई गई। निर्देशक शेखर कपूर ने कहा, वे चाहते हैं कि सीक्वल फिल्म से पहले मासूम फिल्म का पहला हिस्सा फिर से थिएटर पर रिलीज किया जाए। खबरों के मुताबिक शेखर कपूर आज के दर्शकों के हिसाब से फिल्म के थीम को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मासूम की पुनर्कल्पना मूल फिल्म की स्थायी विरासत के लिए एक सम्मान है, जिसमें आज के समय के सामाजिक मुद्दों को दिखाया जाएगा। हालांकि, फिल्म के बारे में ज्यादा विवरण गुप्त रखे गई हैं।

बेबी जॉन से लेकर भेड़िया 2 तक, इन फिल्मों से धमाल मचाएंगे वरुण धवन?

वरुण धवन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने स्टूडेंट ईयर ऑफ द ईयर से अपनी शुरुआत की थी। करण जौहर के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सेमी हिट साबित हुई थी। उन्होंने हम्पटी शर्मा की दुल्हनिया, बदलापुर, एबीसीडी 2 और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्में भी दी हैं। वरुण की फिल्मों का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। आज हम आपको उनकी उन आगामी फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो टिकट खिड़की पर बड़ा धमाल मचा सकती हैं।

बेबी जॉन

इस सूची में पहला नाम बेबी जॉन का है। कलीस के निर्देशन में बनी इस फिल्म की चर्चा लंबे समय से चली आ रही है। फिल्म में वरुण धवन पूरी तरह से एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं। वर्दी में उन्हें गुंडों को पीटते हुए देखने के लिए वरुण के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी

फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन के साथ जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। फिल्म बवाल के बाद दोनों दूसरी बार एक साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान कर रहे हैं। इसे 18 अप्रैल 2025 तक बड़े पर्दे पर पहुंचाने की तैयारी चल रही है।

है जवानी तो इश्क होना है

है जवानी तो इश्क होना है में भी वरुण धवन अपनी अदाकारी का जादू बिखेरते हुए दिखने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में पूजा हेगड़े भी नजर आने वाली हैं। फिल्म को 2 अक्तूबर 2025 को रिलीज करने की तैयारी है।

बॉर्डर 2

वरुण धवन की बहुचर्चित फिल्मों में बॉर्डर 2 का नाम भी शामिल है। इस फिल्म में वह सनी देओल और दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। वहीं, इसकी कहानी को निधि दत्ता ने लिखा है। यह फिल्म थिएटर में 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

भेड़िया 2

इस लिस्ट में भेड़िया के सीक्वल का नाम भी शामिल है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का पहला भाग औसत साबित हुआ था। हालांकि, निर्माताओं को उम्मीद है कि इसका दूसरा भाग टिकट खिड़की पर अच्छा कारोबार करेगा। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

स्कूप से वापस लाइमलाइट में लौटे हीरो हरमन बावेजा, निर्माता के तौर पर इफ्फी गोवा में होगा डेब्यू

अभिनेता हरमन बावेजा का आज यानी 13 नवंबर को जन्मदिन है। उन्होंने अभिनय की दुनिया में सिक्का आजमाया, हालांकि इतनी प्रसिद्धी उन्हें नहीं मिल पाई। अब निर्माता के तौर पर खुद की पहचान बनाने की सोची है। उनकी फिल्म मिसेज इफ्फी यानी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में आयोजित होने वाला है। हर साल नवंबर के आखिरी में इस समारोह का आयोजन होता है। इसमें दुनिया भर की फिल्मों की स्क्रीनिंग होती है। हरमन बावेजा की फिल्म भी इसी समारोह में पहली बार दिखाई जाएगी।

बतौर निर्माता ये है पहली फिल्म

फिल्म मिसेज इफ्फी से पहले टैलिन ब्लैक नाइट्स, न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल और पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा चुकी है। इस फिल्म में निर्माता के तौर पर हरमन बावेजा के साथ ज्योति देशपांडे, पम्मी बावेजा भी शामिल हैं। इस फिल्म को जियो स्टूडियो और बावेजा स्टूडियो ने मिलकर बनाया है।

थायराइड

भी हो सकता है थकान का कारण

क्या आपके साथ भी ऐसे होता है कि आप सारा दिन काम करते करते इतना थक जाती है कि आप अपना मनपंसद टी.वी शो भी अच्छी तरह से नहीं देख पाती और घर में हमेशा थका–थका महसूस करती है। घर पर सीढियां चढ़ने के वक्त,कोई भी काम करने के वक्त या बैड से उठने के वक्त भी ऐसा महसूस होना कि जितनी नींद हमने ली है वो अभी भी पर्याप्त नहीं है। स्वस्थ ऊर्जा का निर्माण स्वास्थ्यवर्द्धक पाचन प्रणाली से शुरू होता है।विटामिन बी की कमी से भी थकान महसूस होती है। हल्की थकान तथा गंभीर थकान में से आप खुद को किसका शिकार महसूस करती हैं और वास्तव में आपके साथ गलत क्या हो रहा है ?

- थकावट महसूस होने के कई कारण हो सकते है। जब भी शरीर में थकावट महसूस हो तो थोड़ा इधर-उधर टहल कर आप अपनी थकावट को दूर कर सकती है।जब आप थकी होती हैं तो आपका मैटाबोलिक रेट कम हो जाता है और आप कम कैलोरीज बर्न करती हैं। इसी कारण आपको थकावट महसूस होती है। कसरत करने से भी आप सारा दिन बेहतर महसूस करेंगी और काम करने के बाद भी थकावट कम महसूस होगी।
- हमारे शरीर में थकान महसूस होने के कई कारण हो सकते है। कई बार विटामिन्स की कमी होने पर भी हम कोई भी काम करने के बाद थकावट महसूस करते है। आयरन की कमी होने पर भी थकान महसूस होती है। यदि आपको अपनी त्वचा पीली दिखाई दे, अपनी धड़कन तेज महसूस हो और चिड़चिड़ापन महसूस हो तो आयरन से भरपूर डाइट आपको इस समस्या से निजात पाने में सहायक हो सकती है।
- अपने वातावरण को ताजा बनाए रखें और बोर होने से बचें जब भी आप बोर हो रही हो तो संगीत का लुत्फ उठा सकती है और बोरियत आपके मूड को प्रभावित करती है।
- आपकी थकावट का कारण थायराइड भी हो सकता है। सुबह के समय थकान थायराइड की कमजोर कार्यप्रणाली का चिन्ह हो सकती है। इसलिए थायराइड की जांच अवश्य करवाएं।
- भरपूर नींद न लेने की वजह से भी आप सारा दिन थकान महसूस कर सकती है।शरीर के लिए भरपूर नींद लेना भी बहुत जरूरी होता है। इसलिए रात के समय कम से कम 8 घंटे नींद लेना जरूरी है और दिन के समय बीच में कम से कम 20-30 मिनट की नींद जरूर लें ।
- दिन में भारी भोजन करने की बजाय अपने भोजन में साबुत अनाज, ओट्स, अंकुरित खाद्य तथा बहुत सारी सब्जियां तथा फल शामिल करें।

ताकि दर्द में न बीतें सर्दियां

सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें

सर्दियों को वैसे तो खाने पीने और घूमने फिरने का मौसम माना जाता है, लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम्स भी इस मौसम में परेशान करती हैं। अब जब सर्दियों ने दस्तक दे ही दी है, तो क्यों न इस मौसम की दिक्कतों से बचने के लिए हम पहले से ही करते चलें बचाव के इंतजाम। यहां पर कुछ हेल्थ टिप्स दिये हुए हैं, जिन्हें आप सर्दियों में फिट रहने के लिये इस्तेमाल कर सकती हैं -

सर्दी, जुकाम, खांसी

इस मौसम की कॉमन प्रॉब्लम है सर्दी, जुकाम और खांसी। अगर आपको हर दिन सुबह उठते ही छींक आती है और जुकाम जैसा लगता है, तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। यह प्रॉब्लम होती है एलर्जी की वजह से और एलर्जी से आप तभी बचकर रह सकती हैं, जब आप हेल्दी डाइट लेंगी।

वायरल के लक्षण हैं

सिर दर्द, आंखों से पानी बहना, बदन टूटा सा लगना वगैरह। इसके इलाज के लिए बैलेंस डायट लेना जरूरी है। विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की सही मात्रा होनी चाहिए। खाने में फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

क्या करें

अपनी डेली डायट में सेब, मौसमी फल, अंगूर और फिश को शामिल करें। ये प्रॉब्लम्स एलर्जी की वजह से होती हैं और ये फूड आपको एलर्जी से बचाए रखेंगे। इसके अलावा गर्मागर्म ब्लैक टी भी आपको इस प्रॉब्लम से दूर रखने में हेल्प करेगी। अगर आप इस प्रॉब्लम पर गौर नहीं करेंगी, तो आपकी बॉडी की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती चली जाएगी। वैसे, यह प्रॉब्लम उन जगहों पर ज्यादा होती है, जहां ठंडी हवाएं चलती हैं। सर्दी से बचने के लिए चेस्ट को अच्छी तरह से ढककर रखें, गले को लपेट कर और गरम कपड़े पहनें। डॉक्टर की सलाह पर दवाएं लें। नाक बंद हो तो स्टीम लें।एक रिसर्च के मुताबिक, जो महिलाएं हफ्ते में 5 दिन तकरीबन 45 मिनट एक्सरसाइज करती हैं, उन्हें जुकाम कम होता है।

भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान

कई लोग भोजन के साथ या भोजन के बाद चाय का सेवन करने के शौकीन होते हैं लेकिन भोजन के साथ चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करना नुक्सानदायक साबित हो सकता है।चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से हमारे शरीर को कई रोगों का शिकार होना पड़ सकता है जैसे ब्लड प्रैशर की समस्या, मधुमेह और वजन बढ़ने की समस्या,पेट संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती है।चाय या कॉफी में अत्यधिक कैफीन होने की कारण यह हमारे शरीर के लिए नुकसानदायक साबित होती है।कई लोगों का ऐसा मानना है कि भोजन के साथ चाय पीने से भोजन आसानी से पच जाता है लेकिन ऐसा न होकर इसका बुरा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है।आइए जानें भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुकसान।

- भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने से पेट संबंधी समस्याएं जैसे एसीडिटी की समस्या पैदा हो सकती है और पाचन क्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से मुंह की समस्याएं पैदा हो सकती है ,चाय ज्यादा पीने से गले और मुंह में खुश्की की समस्या पैदा हो सकती है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से इसमें मौजूद कैफीन हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित हो सकता है ,कैफीन हमारे शरीर में एसिड बना देता है जिसका सीधा असर हमारी किडनी पर पड़ता है।
- चाय या कॉफी पीने से आंतो पर बुरा असर पड़ता है और यह आंतों को भी कमजोर बना देती है।
- भोजन के साथ चाय या कॉफी का सेवन करने से भोजन में मौजूद पौष्टिक पदार्थ हमारे शरीर तक नहीं पहुंच पाते।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से अनिद्रा जैसी बीमारी का भी शिकार होना पड़ सकता है।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

जैतून का तेल रखता है दिल को दुरुस्त

जैतून तेल का नियमित इस्तेमाल दिल को तो दुरुस्त बनाता ही है, दिल संबंधी बीमारियों के जोखिमों को भी घटाता है। ग्लासगो तथा लिस्बन विश्वविद्यालयों और जर्मनी में मोसाइक्यूज डायग्नोस्टिक्स के अध्ययनकर्ताओं ने जैतून के तेल का असर जानने के लिए मिलकर काम किया।अमेरिकी जर्नल क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन में जैतून सहित पौधे में पाए जाने वाले प्राकृतिक अवयव फेनोलिक्स के हृदय पर पड़ने वाले असर को परखा गया। अमेरिका में संघीय औषधि प्रशासन और यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण का मानना है कि मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ फेनोलिक्स, जैतून के तेल के रक्षात्मक प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। अध्ययन का पहलू यह रहा कि लक्षित समूहों पर इसका असर देखा गया यानी ऐसे लोग जो हमेशा जैतून का तेल इस्तेमाल नहीं करते हैं। स्वास्थ्य पर तेल पूरकों के असर के अध्ययन के लिए अध्ययन टीम ने नई डायग्नोस्टिक तकनीक को आजमाया। धमनी संबंधी (सीएडी), किडनी संबंधी (सीकेडी) और मधुमेह जैसी बीमारियों के संकेत के लिए पहचानी गई पेपटाइड्स (खंडित प्रोटीन से निर्मित) के रेंज को जानने के लिए पेशाब के नमूने की जांच की गई। परिणाम से पता चला कि दोनों समूहों में बीमारी की सबसे सामान्य किस्म सीएडी के नतीजे में बड़ा बदलाव दिखा।

विटामिन बी1 की कमी ब्रेन को कर देती है फेल

नई खोज से पता चला है कि विटामिन बी1 की कमी से ब्रेन की घातक बीमारी वैनिक इंसेफैलॉपथी हो सकती है। ऐल्कोहॉल और एड्स के 75-80 पर्सेंट केसों में इस बीमारी के होने की आशंका रहती है। यह ब्रेन की ऐसी बीमारी है, जिसमें समय पर इलाज नहीं होने पर मरीज इंसेफैलॉपथी का शिकार हो जाता है।

मेटाबॉलिक संतुलन बिगड़ने और नशीले पदार्थ का सेवन करने से यह बीमारी होती है। लायोला यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के न्यूरॉलजिस्ट के मुताबिक, वैनिक इंसेफैलॉपथी से पीड़ित में कन्फ्यूजन, भ्रम, कोमा, मांसपेशियों की कमजोरी और दृष्टि दोष जैसी दिक्कतें होती हैं। यही बाद में स्थायी तौर पर ब्रेन डैमेज का कारण बनती हैं और मरीज की मौत भी हो जाती है। साइंस अमेरिकन मेडिसिन जर्नल में इस नई खोज को प्रकाशित किया गया है।

सीताफल

स्वादिष्ट मीठे फल के 10 गुण

सीताफल इतने गुणों से भरपूर है कि शायद ही शरीर का कोई हिस्सा ऐसा हो जिसे यह फायदा न पहुंचाता हो। जानिए सीताफल के 10 गुणों के बारे में...

1. सीताफल में वजन बढ़ाने की क्षमता भरपूर होती है और अगर आप वजन बढ़ाने के सारे जतन करके थक चुके हैं तो तैयार हो जाएं एक नए और मीठे उपाय के लिए। आपको बस सीताफल को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना है और आपका मनचाहा फिगर आप पा सकेंगे बहुत ही जल्दी।
2. सीताफल में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। विटामिन सी में शरीर की रोगों से लड़ने वाली शक्ति यानी इम्युन सिस्टम को बढ़ाने की क्षमता होती है तो हर दिन एक बार सीताफल खाइए और भगाइए दूर बीमारियों को।
3. क्या आप अक्सर कमजोरी महसूस करते हैं? सीताफल आपकी यह परेशानी दूर कर सकता है। सीताफल बहुत ही अच्छा एनर्जी का स्रोत होता है और इसके सेवन से थकावट और मसल्स मतलब मांसपेशियों की कमजोरी आपको बिलकुल भी महसूस नहीं होगी। बस, सीताफल को अपनी डाइट में शामिल कर लीजिए।
4. विटामिन बी कॉम्प्लेक्स से भरा हुआ सीताफल दिमाग को शीतलता देने का भी काम करता है। यह आपको चिड़चिड़ेपन से बचाकर निराशा को दूर रखता है। तो फिर बस, सीताफल अपनाइए और अपनी मानसिक शांति को रखिए अपने साथ हमेशा।
5. सीताफल आपके दांतों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उत्तम है। इसको नियमित खाकर आप दांतों और मसूड़ों में होने वाले दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।
6. खून की कमी यानी एनीमिया से बचना अब बिलकुल आसान है। सीताफल का हर दिन इस्तेमाल खून की अल्पता को खत्म कर देता है और उल्टियों के प्रभाव को भी कम करता है।
7. सीताफल आंखों की देखने की क्षमता बढ़ाता है, क्योंकि इसमें विटामिन सी और रिबोफ्लेविन काफी ज्यादा होता है। इससे नंबर के चश्मे को आप खुद से बड़ी आसानी से दूर रख सकते हैं।
8. सीताफल में मौजूद मैग्नीशियम शरीर में पानी को संतुलित करता है और इस तरह से जोड़ों में होने वाले अम्ल को हटा देता है। यह अम्ल गठिया रोग का मुख्य कारण होता है और इस तरह से सीताफल गठिया रोग से सुरक्षा करता है।
9. दिल की तंदुरुस्ती अब बिलकुल आसान है। इसमें सोडियम और पोटेशियम संतुलित मात्रा में होते हैं जिससे खून का बहाव यानी ब्लड प्रेशर में अचानक होने वाले बदलाव नियंत्रित हो जाते हैं।
10. दोनों प्रकार की शुगर को संतुलित रखना सीताफल के उपयोग के साथ बहुत ही आसान है। इसमें शरीर में होने वाली शुगर को सोख लेने का गुण होता है और इस तरह से यह शुगर का शरीर में स्तर सामान्य बनाए रखता है।

सीताफल एक लाजवाब, स्वादिष्ट और मीठा फल होने के साथ-साथ अपने में अनगिनत औषधीय गुणों को शामिल किए हुए है। पूरे शरीर को स्वस्थ और बीमारियों से दूर रखने का यह एक बहुत ही आसान उपाय है।

छात्रों का पुलिस थाने में विजिट कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)।। बच्चों को कानून,पुलिस कार्यवाही,इसकी प्रक्रिया और अपने अधिकारों की रक्षा के बारे में जानकारी मिल सके इसे लेकर पुलिस विभाग द्वारा सोमवार को एचवीएस स्कूल के बच्चों का पुलिस थाने पर विजिट का कार्यक्रम रखा गया। थाने में विजिट के दौरान छात्रों ने स्वागत कक्ष,महिला एवं बाल अधिकारिता कक्ष, हवालात, माल खाना,इन्वेस्टिगेशन रूम व थाना अधिकारी कक्ष देखें।थानाधिकारी लोकपाल सिंह ने बताया कि छात्रों के विजिट का प्रोग्राम पुलिस विभाग की ओर से रखा गया था। जिससे बच्चों में अवेयरनेस आ सके और कानून की जानकारी मिल सके।

सत्संग से होता हैं मनुष्य मात्र का कल्याण-साध्वी सुहृदय गिरी

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)।। श्रीजी फाउंडेशन द्वारा करवाई जा रही श्रीमद्भागवत कथा को लेकर श्रीमद्भागवत जी की शोभायात्रा व कलशयात्रा गाजे-बाजे के साथ श्री चारभुजा मंदिर से शुरू हो कर कस्बे के प्रमुख मार्गो से गुजरते हुए कथास्थल एनएच-27 केसरगंज चौराहा स्थित श्रीजी रिसोर्ट पहुंची।जहां साध्वी सुहृदय गिरी जी ने कहा कि सत्संग से मनुष्य मात्र का कल्याण होता हैं।श्रीमद्भागवत कथा सुनने के लिए आने वाले श्रोताओं को एक-एक कदम पर अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता हैं।उन्होंने कस्बेवासियों से कथा श्रवण के लिए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए कहा। कथा का वाचन प्रख्यात साध्वी ऋतम्भरा जी की शिष्या साध्वी सुहृदय गिरी जी(वृंदावन) द्वारा प्रतिदिन दिन में 1 से 4 बजे तक किया जाएगा।शोभायात्रा में विधायक गोपाल खंडेलवाल भी मौजूद रहे।

नरेश मीणा को रिहा करने की मांग

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निस)।। तहसील क्षेत्र के सर्व समाज द्वारा उपखण्ड अधिकारी प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंप कर देवली-उनियारा विधानसभा के समरावता गांव में उपखण्ड अधिकारी को थप्पड़ मारने के मामले में हुए बवाल में गिरफ्तार नरेश मीणा व युवकों को रिहा किए जाने के साथ ही टोंक जिला कलक्टर,सम्बंधित अधिकारियों व दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही और पूरे मामले की न्यायिक जांच करवाने की मांग की गई।

सुमेरपुरःपालिका बोर्ड की अंतिम बैठक में पार्षद ने सुनाया दुखड़ा

सुमेरपुर(निस)।। नगर पालिका बोर्ड की अंतिम बैठक सोमवार को कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष उषा कंवर राठौड़ की अध्यक्षता तथा अधिशाषी अधिकारी नरपत सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में स्थित टाउन हॉल में आयोजित हुई। इस बैठक में पार्षद गुड़िया सोलंकी ने वार्ड संख्या 32 में विकास कार्यो को लेकर अपना दुखड़ा सदन को सुनाया और निम्न विकास कार्य करवाने को लेकर अधिशाषी अधिकारी को पत्र दिया। पार्षद सोलंकी ने पत्र में बताया कि पांच वर्षो में अन्य सभी वार्डो से इस वार्ड में सबसे कम विकास कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि 5 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, कई बार पत्र दिए लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। पार्षद सोलंकी ने बोर्ड की बैठक में पत्र देकर अवगत कराया कि यह मेरा अंतिम पत्र है,जिसमें निम्न विकास कार्य अधूरे हैं उसे अतिशीघ्र करवाने की मांग की। पार्षद ने अपने वार्ड की निम्न समस्याओं को लेकर पत्र में बताया कि पुखराज जी मीणा के घर से लच्छाराम घाँसी होटल तक लगभग 150 फीट सीसी रोड,मोड़ोबा चक्की वाली गली के लास्ट में बन रहे कॉम्प्लेक्स के पास 150 फीट सीसी रोड, मेरे घर के बाहर 10 फीट नाली बनाने व सामने की साइड में 100 फीट नई नाली बनाने, मोडोबा चक्की वाली गली में 11000 केवी बिजली लाइन हटाने तथा नीचे लटक रहे तारों को ऊपर करवाने सहित अन्य मांग बोर्ड की बैठक के साथ कैबिनेट मंत्री के समक्ष रखीद्य जहां सभी समस्याओं को लेकर कैबिनेट मंत्री ने अधिशाषी अधिकारी को समाधान के लिए निर्देश दिए।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी की प्रशासनिक बैठक, समस्याओं के समाधान के लिए दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

किशनगढ़ (निस)।। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री और अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने सोमवार को किशनगढ़ स्थित अपने निवास पर क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस उपखंड स्तरीय बैठक में क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई, जिसमें सड़क, बिजली, पानी, चिकित्सा, कानून व्यवस्था और कृषि से जुड़े मुद्दे मुख्य रूप से शामिल रहे। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समस्याओं के समाधान पर जोर ¬ बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। भागीरथ चौधरी ने कहा कि किशनगढ़ क्षेत्र की जनता को बुनियादी सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न हो, यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। सभी विभाग समन्वय बनाकर काम करें और क्षेत्रवासियों को राहत पहुंचाएं।

जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश ¬ बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को मंत्री और अधिकारियों के समक्ष रखा। इनमें मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, चिकित्सा सेवा, कानून व्यवस्था और कृषि संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इन शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लें और शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मणिपुर में लगातार हिंसा को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकल कर विरोध जताया

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)।। लगातार जारी हिंसा से जलते मणिपुर में शांति बहाली ओर हिंसा में शहीद हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सुमेरपुर शहर में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंडल मार्च निकला।

विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में जालौर चौराहा से लेकर गांधी सर्किल तक युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाल कर विरोध जताया। युवा कांग्रेस परिहार ने बताया कि मणिपुर में हिंसा में महिला व बच्चों में हो रहे अत्याचार को रोकने में केंद्र सरकार विफल है और मणिपुर की घटना पर मौन धारण किए हुए हैं। पैदल कैंडल मार्च के दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व सरपंच संघ

अध्यक्ष सुमेर सिंह मनवार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष करण सिंह मेड़तिया, नगर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी सुमेरपुर सुभाष मेवाड़ा, पूर्व जिला सचिव महेश परिहार, जाफर भाई सिलावट, वरिष्ठ कांग्रेस संतोष सिंह सोलंकी, भूपेश मेवाड़ा, नगर कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष हिम्मत गहलोत, यूथ कांग्रेस जिला सचिन विक्रम मीणा, पूर्व यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष भरत बोराणा, यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष सुरेश रावल, प्रवीण भाटी, अरुण जयना, ओम प्रकाश, महेंद्र कुमावत, युवा नेता भावेश सेन, प्रकाश कुमावत, सलीम खान (कालू), मंसाराम मेघवाल, जीतू भाटी, भैराराम मीणा, महादेव मीणा, अकरम खान, हेमंत देवासी युवा कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

दिसम्बर में होगा अग्रसेन माहात्म्य ज्ञान यज्ञ

सवाई माधोपुर(निस)।। श्रीअग्रसेन सेवा समिति के तत्वावधान में 20 से 22 दिसम्बर तक अग्रसेन माहात्म्य ज्ञान यज्ञ अमृत कथा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कथावाचक राष्ट्रपति द्वारा स्वर्णपत्र से सम्मानित उज्जवल गर्ग के मुखारविंद से कथा की अमृत वर्षा होगी।

समिति के अनुसार तीन दिवसीय अग्रसेन माहात्म्य ज्ञान यज्ञ अमृत कथा हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण शहर में सांय 6.30 से 10 बजे तक होगी। कथा की कलश यात्रा 20 दिसम्बर को सुबह 10 आरंभ होगी। अग्रसेन माहात्म्य ज्ञान यज्ञ अमृत कथा के लिए राजीव अग्रवाल, हनुमान मित्तल, कुंज बिहारी गोयल, कल्याण चन्द गुप्ता, राजेश गोयल बौली वाले बजरिया, ताराचन्द मित्तल, राजेश गोयल चक्की वाले, सुभाष गर्ग अल्लापुर वाले, नरेन्द्र मोहन सिंहल, संदीप अग्रवाल हीरो शोरूम, रामबाबू सिंहल, सिंहल टैक्स.मधुसूदन गर्ग वर्फ फैक्ट्री वाले, अशोक गोयल पिन्टू राजकुमार जैन खण्डार वाले, रोहिताश्व सिंघल खिरनी वाले, दीनदयाल अग्रवाल फलोदी वाले, रमेशचन्द मित्तल डूंगरी वाले, सीताराम मित्तल मलारना वाले, गौरव गर्ग डांग वाले, पंकज मित्तल मण्डी वाले (पत्रकार) रोहित सिंहल सुंदरकाण्ड वाले, बलराम गोयल, अनूप गर्ग, अनिल गर्ग जयपुरिया, ओमप्रकाश गुप्ता भारजा वाले, राजेश गर्ग बालेर वाले, कृष्ण मोहन गर्ग संघी, रामअवतार मित्तल डूंगरी वाले, कमलेश गोयल धीरोली वाले, ओमप्रकाश मंगल बारदाना वाले, गोपाल जिंदल चाकसू वाले, हेमराज गर्ग डूंगरी वाले, मनोज अग्रवाल करौली वाले, जयप्रकाश गोयल, सत्यनारायण मित्तल मलारना वालों आदि से व्यक्तिगत या

आम जन जाम से परेशान, जिम्मेदार बन रहे जन समस्याओं से अनजान

सवाई माधोपुर(निस)। जिला मुख्यालय पर आम जन को चाहे किसी भी दिशा में जाना हो हर चौराहे पर जाम के हालात नजर आते हैं। ऐसे में आम जन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन आम जन की आम परेशानी से जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकार एवं जिले के जनप्रतिनिधि अनजार बने बैठे हैं। इसका जीता जागता उदाहरण हम्मीर पुलिया के चौड़ाईकरण कार्य और शहर में जामा मस्जिद से रामद्वारा तक लटिया नाले पर बनकर तैयार हो चुकी सड़क को देख कर लगाया जा सकता है। जिला मुख्यालय के दो भागों पुराने शहर से लेकर आलनपुर, हाउसिंग बोर्ड, रणथम्भौर रोड़ तक के भाग को खेरदा से लेकर आदर्श नगर तक मानटाउन, बजरिया, जटवाड़ा, कलेक्ट्रेट को जोड़ने वाले एक मात्र रेलवे ओवर ब्रिज हम्मीर पुलिया के अलावा आम जन के पास कोई दुसरा वैकल्पिक रास्ता नहीं है। ऐसे में आम जन को चाहे सरकारी काम हो या बाजार में खरीदादारी करनी हो या चिकित्सा की आवश्यकता या शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को आने जाने की आवश्यकता हमेंशा हम्मीर पुलिया पर होकर ही आना जाना आम जन की मजबूरी है। वर्तमान में कई गुना बढ़ चुकी आबादी और वाहनों के निकलने में परेशानी को देखते हुऐ हम्मीर ब्रिज की चौड़ाई करण का कार्य शुरू हुऐ भी अब कई साल गुजरते नजर आ रहे हैं। लेकिन इस ब्रिज का कार्य है कि पूरा होने का नाम ही नहीं ले रहा है। सरकार बदल गई, जनप्रतिनिधि बदल गये और प्रशासनिक अधिकारी भी बदल गये। लेकिन हम्मीर ब्रिज के निर्माण कार्य की कार्यप्रणाली आज भी वैसी ही चल रही है। ब्रिज के दोनों ओर चौड़ाई बढ़ाने कार्य शुरू होने के बाद किसी अदृश्य ताकत ने एक तरफ चौड़ाई बढ़ाने के कार्य को आधी पुलिया के बाद ही रूकवा दिया।

व्यक्ति को अहंकार से दूर रहना चाहिएः कानपुरी महाराज

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। स्थानीय नलिया बास के शक्ति निवास में आयोजित की जा रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान सप्ताह के पांचवें दिन सोमवार को कथावाचक महंत स्वामी कानपुरी महाराज ने व्यासपीठ पर कथा का वाचन करते हुए राजा बलि और वामन देव का प्रसंग भक्तों को सुनाया। उन्होंने बताया कि राजा बलि को लगता था कि वह सबसे बड़ा दानी है। नारायण वामन देव के रूप में उसके पास पहुंचे और तीन पग धरती मांगी। राजा के संकल्प लेने के बाद वामन देव ने विराट रूप धारण कर एक पग

में पृथ्वी, दूसरे में स्वर्ग नाप लिया। कथावाचक ने कथा के माध्यम से कहा कि व्यक्ति को जीवन में कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। इससे पहले तंवर परिवार के मदनलाल तंवर और पूर्व पार्षद मंजू तंवर ने कथावाचक का स्वागत किया। कथा के दौरान बुद्धिप्रकाश सोनी, बालचंद तंवर, विमल कुमार, सुनील कुमार, डालमचंद, रजनीश, जगदीश प्रसाद सहित बड़ी संख्या श्रद्धालु मौजूद रहे।

उधार पैसे मांगने को लेकर युवक के सिर में मारा चाकू, जिला अस्पताल ट्रॉमा सेंटर में उपचार जारी

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर/(निस)।। बजरिया स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास सोमवार सुबह 8¬30 बजे डेयरी बूथ संचालक का बेटा पीयूष शर्मा पुत्र रमेश शर्मा को सिर में एक विद्यालय के छात्र ने उधार मांगने की बात को लेकर ताबड़तोड़ चाकू मार दिया। जिससे पीयूष वहीं घायल हो गया। मौके पर लोगों की भी इकट्ठी हो गई। इसके बाद लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को और मानटाउन थाना पुलिस को दी।

घायल युवक को एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया।

छात्र आरोपी ने युवक के सिर पर चाकू से पीछे से वार किया।

घायल पीयूष का ट्रॉमा वार्ड जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

इस दौरान पिता रमेश शर्मा ने मानटाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिस को लेकर मानटाउन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डेयरी बूथ के संचालक ने बताया कि दुकान पर उधार मांगने को लेकर विवाद हुआ।

कुएं में काम करते समय मिट्टी ढहने से चार मजदूर घायल

जयपुर टाइम्स

धौलपुर (निस)।। कोतवाली थाना क्षेत्र के भैंसाख गांव में सुबह कुंए को पक्का करते वक्त अचानक मिट्टी ढह गई। मिट्टी के ढह जाने से ऊपर काम कर रहे चार मजदूर नीचे गहरे कुंए में जागे गिरे। कुंए में गिरने से गंभीर रूप से घायल हुए सभी मजदूरों को ग्रामीणों की मदद से जिला अस्पताल लाया गया। जहां से एक मजदूर को गंभीर हालत के चलते रेफर किया गया हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीण मनीराम ने बताया कि गांव में एक कुंआ का निर्माण किया जा रहा हैं। कुंआ खोदने के बाद उसको पक्का करने के लिए मजदूर कुएं के ऊपर काम कर रहे थे। काम करते वक्त अचानक मिट्टी खिसक गई। जिससे कुंए के ऊपर काम कर रहे चार मजदूर लगभग 30 फीट नीचे गहरे कुंए में जाकर गिर गए। कुंए में गिरने से घायल हुए सभी मजदूरों को ग्रामीणों की मदद से जिला अस्पताल लाया गया। जिनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया हैं।

पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर प्रशिक्षण आयोजित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)।। सैंपऊ की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर पंचायत समिति सैंपऊ के सभागार में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में उपनिदेशक महिला बाल विकास विभाग भूपेश गर्ग ने आईसीडीएस कार्मिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्राम स्तर की महत्वपूर्ण इकाई है। बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की दृष्टि से इनकी समाज में महती भूमिका है। गर्भकाल से बच्चे के 6 वर्ष तक होने तक अच्छा पोषण और पूर्व शाला शिक्षा उसकी मजबूत नींव तैयार करते हैं। बच्चे का पोषण प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षण की गुणवत्ता बच्चे के समग्र भविष्य को तय करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केंद्रों का ठीक प्रकार संचालन करें। दक्ष प्रशिक्षक डॉ. निर्मला सिंह एवं सरस्वती देवी ने पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम की संकल्पना पर प्रकाश डाला तथा आंगनबाड़ी कार्मिकों को साप्ताहिक कैलेंडर, नवचेतना, आधारशिला, बच्चों के शिक्षण, सामान्य घरेलू सामग्री से बच्चों के खिलोने, पोषण अभियान के विविध आयामों, बच्चे के विकास के सोपानों पर चर्चा की। इस प्रशिक्षण में सहायक लेखाधिकारी मांगीलाल आर्य, वरिष्ठ सहायक अंकुर शर्मा, लोकेश परमार, मोनू तथा चितौरा, तसीमो परिक्षेत्र के सभी केंद्रों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना, की चोरी

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निस)। हाउसिंग बोर्ड स्थित हनुमान नगर चौराहे 1/ 3 मकान सुभाष सत्यदेव के मकान को चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान चोरों ने पूरे मकान को खंगाल दिया। मकान मालिक सुभाष सत्यदेव के आने पर पता चला कि मकान का ताला टूटा हुआ मिला। मकान में सामान बिखरा हुआ पड़ा मिला। जिसको लेकर मकान मालिक ने चोरी की वारदात की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी। कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौका मुआयना कर पुलिस चोरों का पता लगा रही है। जिला मुख्यालय पर आए दिन चोरियों की वारदातें बढ़ रही है । चोर कभी मकान तो कभी मंदिरों को आए दिन निशाना बना रहे हैं। चोरों के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां हनुमान नगर चौराहे पर रात कोई गस्त नहीं रहती है। जिससे आए दिन कॉलोनी में चोर कभी बाइके तो कभी मकानों को निशाना बना रहे हैं।

सभी विभागों को लोकार्पण व शिलान्यास की सूचना तैयार करने के निर्देश

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पेयजल, बिजली, चिकित्सा सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

नीमकाथाना(निस)। जिला कलक्टर शरद मेहरा की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। समीक्षा बैठक में पेयजल, बिजली, चिकित्सा सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में कलक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए की अपने- अपने विभाग की योजनाओं की सूची तैयार करने के साथ ही रिपोर्ट अपडेट करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर 12 से 15 दिसम्बर तक होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की पूर्व तैयारी के निर्देश दिए सभी विभागों को लोकार्पण व शिलान्यास की सूचना तैयार करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग पीएम सूर्य घर योजना के तहत दिए जाने वाले सोलर कनेक्शनों के कार्य में अधिक से अधिक सौलर वेन्डरों से बात कर

अपेक्षित प्रगति लाने के साथ परिवादी विनोद कुमार मुण्डरू के प्रकरण में नियमानुसार उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जलदाय विभाग को आंगनबाड़ी में गंदे पानी की नाली के अन्दर से जा रही पीने के पानी की लाईन के प्रस्ताव तैयार कर जल्द से जल्द शिफ्ट करने और जर्जर पानी की टंकियों के मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर ने पीडब्ल्यूडी को सडकों के अधूरे पडे कामों को जल्द पूर्ण करने, पेचवर्क कार्य पूर्ण करवाने के साथ ही सडकों के किनारे पेडों की टहनियों को हटवाने और खेतडी मोड चौराहे से खेतडी की तरफ बनने वाली रोड पर पेड हठाने के लिए वन विभाग व पीडब्ल्युडी को संयुक्त रुप से रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। पेंशन के बकाया प्रकरण जिन का आधार वेरिफिकेशन नहीं हुआ है। वेरिफिकेशन करवा कर प्रकरणों का निस्तारण जल्द करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ शाख ने विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल की शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करने ई-फाइल निस्तारण के संबंध में निर्देशित किया कि कोई भी ई-फाइल ज्यादा समय तक लंबित नहीं रहे साथ ही समयावधि का विशेष ध्यान रखा जाए।

आज होगी भर्ती प्रक्रिया

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। स्थानीय राजकीय सुजला महाविद्यालय में मंगलवार को आईसीआईसीआई बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर पद पर चयन के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। प्राचार्या विनीता चौधरी ने बताया कि स्नातक और स्नातकोतर परीक्षा उतीर्ण कर चुके अभ्यर्थी पात्र होंगे। प्लेसमेंट प्रभारी रामनिवास मेघवाल ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया एनआईआईटी की ओर से सम्पन्न करवाई जाएगी।

चेता नपा प्रशासन, तीन सांडों को गौशाला भिजवाया

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। नगर पालिका प्रशासन की ओर से सोमवार को बाजार में घूम रहे निराश्रित पशुओं को पकड़ने का अभियान शुरू किया। सफाई निरीक्षक सत्यनारायण बावलिया के नेतृत्व में सफाई कर्मचारियों ने 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तीन सांडों को पिंजरे में कैद करके पकड़ा। वहीं पकड़े गए सांडों को मुकुंदगढ़ मार्ग स्थित कामधेनु निराश्रित गौ सेवा समिति की ओर से संचालित गौशाला में भिजवाया। वहीं मुख्य बाजार में सब्जी विक्रेताओं को भी पाबंद किया गया

कि कोई भी गली-सड़ी सब्जियां आम रास्ते पर ना फेंके अगर कोई नहीं मानता है तो उसके खिलाफ नियम अनुसार नगर पालिका प्रशासन की ओर से कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है की कस्बे के मुख्य बाजार में घूम रहे सांडों व निराश्रित पशुओं के कारण राहगीरों वह भ्रमण करने वाले सैलानियों को हो रही परेशानियों को लेकर समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया था उसके बाद नगर पालिका प्रशासन की नींद टूटी और इनको पकड़ने का अभियान शुरू किया।

झुंझुनूं में दूसरे दिन भी घने कोहरे का दौर जारी

उत्तरी सर्द हवाओं ने बढ़ाया सर्दी का असर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं। शेखावाटी अंचल में अब सर्दी ने दस्तक दे दी है। सुबह-शाम लोगों को ठंड का अहसास होने लग गया है। जयपुर मौसम केंद्र की ओर से जारी मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि अगले तीन दिन तक राजस्थान के कुछ इलाकों में घना से लेकर बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और अगले 24 घंटों तक घना कोहरा छाया रहेगा। वहीं झुंझुनूं में दूसरे दिन भी घने कोहरे का दौर जारी है। उत्तरी सर्द हवाओं ने सर्दी का असर बढ़ाया है।

अचानक हुए मौसम बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में 9 डिग्री की गिरावट के साथ 23 डिग्री पहुंचा है। न्यूनतम तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया है। 20 मी. विजिबिलिटी के चलते वाहन चालकों की मुश्किलें बड़ी हैं।

एमएसपी पर मूंगफली की खरीद शुरू

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर। खरीफ फसलों का समर्थन मूल्य घोषित होने के बाद सहकारिता विभाग और राजफैड ने प्रदेशभर में मूंग की तुलाई शुरू कर दी है। ऐसे में सोमवार को सरदारशहर कृषि उपज मंडी में मूंगफली की एमएसपी पर खरीद केंद्र को शुरू कर दिया है। इसी प्रकार इस बार किसानों को बाजार भाव से सरकारी खरीद केंद्र पर 1500 से 2000 रूपए प्रति क्विंटल के ज्यादा दाम मिल रहे है। पहले दिन 10 किसानों ने मूंगफली की उपज तुलाई हैं। मीतासर गांव के किसान मुलायमसिंह ने बताया कि इस बार किसानों के हित में सरकार ने फैसला लेते हुए 25 क्विंटल से बढाकर 40 क्विंटल कर दिया गया है। चूरू डिप्टी रजिस्ट्रार विभा खेतान ने बताया कि यह खरीद केंद्र सरदारशहर सहित चूरू, सुजानगढ़, रतनगढ़, सादूलपुर, बीदासर, तारानगर में खोले गए है। जिसमें तुलाई का समय सुबह 9.15 से शाम 5.30 बजे तक जारी रहेगा। डिप्टी रजिस्ट्रार खेतान ने बताया कि प्रदेशभर में कुल 873 खरीद केंद्र बनाए गए हैं। जिनमें चूरू जिले में 9 केंद्र स्थापित किए गए हैं। चूरू जिला डिप्टी रजिस्ट्रार खेतान ने बताया कि मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8 हजार 682 रुपए प्रति क्विंटल और मूंगफली का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6 हजार 783 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि कृषक पंजीयन व्यवस्था का उददेश्य पंजीयन प्रक्रिया को कृषक हित में पारदशर्ता बनाना है। समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत मूंग के विक्रय के लिए किसान ई-मित्र से भी निर्धारित शुल्क पर पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीयन के लिए जन आधार कार्ड आवश्यक है। एक कार्ड पर एक ही पंजीकरण मान्य होगा। कार्ड में अंकित नामों में जिस नाम से गिरदावरी होगी उसी नाम का पंजीकरण होगा। कार्ड महिला मुखिया के नाम होने की स्थिति व गिरदावरी पति के नाम होने की स्थिति में ऐसा एक पंजीयन स्वीकार किया जा सकता है।

नव नियुक्त विप्र महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारियों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के कृष्णा कुंज में विप्र फाउंडेशन से जिले की कार्यकारिणी में शामिल होने पर जिला संरक्षक सरोज पारीक, सुमन शर्मा, जिला सचिव निर्मला मिश्र व महिला प्रकोष्ठ की तहसील अध्यक्ष मंजु दाधिच का सम्मान विप्र फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित, प्रदेश सचिव श्याम लाल जोशी व तहसील अध्यक्ष वैध महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर महिला प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ प्रभा पारीक ने सभी मातृशक्ति को संगठन का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित ने नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों व महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष को बधाई देते हुए संगठन की रीति नीति अपनाते हुए महिला प्रकोष्ठ को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव श्याम लाल जोशी ने मातृशक्ति को संगठन का हर सम्भव सहयोग का भरोसा दिलाया।

हेतमसर में पर्यावरण विषय को लेकर संगोष्ठी आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राजकीय आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हेतमसर में सोमवार को पर्यावरण व जन जाग्रति सस्थान व हिंदुस्थान स्काउट गाइड के संयुक्त तत्वधान में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता को लेकर संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर इस अवसर पर मुख्यवक्ता स्काउट गाइड ट्रेनर मास्टर व जिला अधिकारी झुंझुनू प्रदीप ईसरवाल ने संबोधित करते हुए बालिकाओं को पर्यावरण संरक्षण जागरूकता को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के दौर को देखते हुए पर्यावरण एक गंभीर विषय है। इसे समय रहते हुए ध्यान नहीं दिया तो आने वाला कल बहुत ही भयावक होगा। इसलिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए। इस अवसर पर पर्यावरण एवम जनजागृति सस्थान के अध्यक्ष संजय शर्मा ने भी पर्यावरण विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज का समय बहुत ही घातक होता जा रहा है। इसका कारण पेड़ पौधे की अंधाधुंध कटाई हो रही है। इस वजह से पर्यावरण को बहुत खतरा हो रहा है। जिससे धरती पर रह रहे सभी पशु पक्षी व मनुष्य को अच्छी सास नहीं मिल पा रही है। अच्छा वातावरण नहीं मिलने से मनुष्य गलत दिशा में जा रहा है। गलत दिशा में जाने से कोई अच्छा कार्य नहीं कर सकता। इसलिए हमे अच्छे कार्य करने है तो ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करना है। इस मौके पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रधानाचार्य सुमन शेख सरिया ने भी पर्यावरण विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेड़ है तो जीवन है पेड़ है तो जल है। प्रकृति ने धरती पर रह रहे संपूर्ण मनुष्य और पशु पक्षी के लिए खाने पीने की व्यवस्था की है। लेकिन दुर्भाग्य है कि मनुष्य ही जीवन दाता पेड़ को अपने स्वार्थ के लिए पेड़ काट

रहे है। पेड़ की अंधाधुंद कटाई होने से संपूर्ण मानव जाति मौत के मुंह में जा रही है। बताया कि अच्छा जीवन जीना है तो ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना होगा।पहले खुद से शुरुआत करनी है। फिर दूसरों को भी पर्यावरण को बचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर प्रेरित करना है। अंत में स्कूल के समस्त स्टॉफऔर समस्त बालिकाओं ने खुद पेड़ लगाने की ओर दूसरे को भी पेड़ लगाने और प्रेरित करने के लिए शपथ ली। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्कूल स्टाफ सुनीता चौधरी, विमल गोदारा, नीलम बेनीवाल, संजू चाहर,अमरचंद महला, प्रभुदयाल, पूनम चंद, कृष्णा, सुप्रिया चौधरी, गुंजन, सुमित्रा ममता, तारामणि आदि का सहयोग रहा। अंत में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई प्रसन्न का सही जवाब दिया। उनको संस्था की और ईनाम दिया गया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता विनोद कुमार ने किया।

संक्षिप्त-समाचार

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग, सीएम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। आईएफडब्ल्यूजे पत्रकार संगठन की और से टोंक जिले के अलीगढ़ गांव में 2 पत्रकारों पर हुए हमले के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग व तत्काल पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोमवार को एसडीएम मुनेश कुमारी को सौंपा। पत्रकार जितेंद्र सिंह शेखावत, सूर्य प्रकाश लाहोरा, प्रभुदयाल शर्मा की ओर से दिए गए ज्ञापन में बताया कि पीटीआई के राजस्थान प्रभारी अजित सिंह शेखावत व उनके कैमरामैन धर्मेंद्र पर जानलेवा हमला किया गया। इस सुनियोजित ढंग से किए गए हमले में दोनों को गंभीर चोटें आई और उनके कैमरे और माइक तोड़ दिए गए। इस निंदनीय जानलेवा हमले को लेकर पत्रकारों में जबरदस्त आक्रोश है। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से तत्काल प्रभाव से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की गई। पत्रकारों ने बताया कि राजस्थान में लगातार पत्रकारो पर हमले हो रहे व इसको रोकने के लिए एक मात्र उपाय पत्रकार सुरक्षा कानून हैं जिसको सरकार तत्काल लागू करें। टोंक के मामले में राजस्थान सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग भी ज्ञापन के माध्यम से की गई।

दिव्यांग बालकों के लिए अभिभावक परामर्शदात्री कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के बैनर तले तहसील के विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक अध्ययन करने वाले दिव्यांग बालकों के माता पिता को सम्बलन प्रदान करने के उद्देश्य से सत्र की प्रथम कार्यशाला का आयोजन बोडियां कुंआ स्थित टांटिया बालिका विद्यालय में किया गया। जिसमें सौ के लगभग दिव्यांग बालक, उनके माता पिता व शिक्षकों ने भाग लिया। ब्लॉक स्तर पर आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी अशोक पारीक ने शिरकत करते हुए जानकारी दी कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बालकों की शिक्षा व पुनर्वास से सम्बंधित समस्या से अवगत होकर उनका निराकरण करना है। साथ ही इनके माता पिता को परामर्श करना होता है। जिससे कि वह अपने बालक की उन्नति में सहयोग कर सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहरी संकुल प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी बालकृष्ण कौशिक ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से माता पिता को प्रेरित करते हुए बताया कि दिव्यांग बालकों पर मेहनत की जाए तो वो भी आत्मनिर्भर बनकर समाज और परिवार की सहायता कर सकते है। चूरू से पधारे आरपी सीडब्लूएसएन हवा सिंह ने बताया कि जिले के दिव्यांग बालक न केवल पढ़ाई लिखाई में आगे है बल्कि खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी राज्य स्तर तक अपना परचम लहरा रहे है। हाल ही में विधिक चेतना सेवा प्राधिकरण की तरफ से आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में ब्लॉक सरदारशहर की आईना मेघवाल ने मूकबधिर होते हुए भी राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व किया। कार्यशाला के इस मौके पर खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बालकों को मैडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ब्लॉक प्रभारी विशेष शिक्षक विक्रांत कुमार ने विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बालकों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की व आरपीडब्लूडी एक्ट 2016 में वर्णित 21 तरह ही दिव्यांगता के बारे में जानकारी प्रदान कर पहचान के लक्षण बताएं। आरपी राकेश सुथार ने दिव्यांग बालकों के लिए आवश्यक दस्तावेज यूडीआईडी कार्ड के बारे में जानकारी प्रदान की। विशेष शिक्षक कानाराम ने सहायक उपकरण व शिक्षण सामग्री से सम्बंधित जानकारी अभिभावकों को प्रदान की। डॉ कल्पना शर्मा ने देवेंद्र झाझड़िया का उदाहरण देते हुए माता पिता और दिव्यांग बालकों को निरन्तर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में भाई साहब लिखित ' कर्मयोगी के अमिट निशा ' पुस्तक का विमोचन

'भाई साहब' की मूर्ति का अनावरण, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शेखावाटी के सुविख्यात समाजसेवी व शिक्षाविद राज्यपाल शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित बगड़िया स्कूल के पूर्व प्राचार्य व सचिव सांवर शर्मा "भाई साहब" की मूर्ति का अनावरण, स्मृति ग्रंथ के विमोचन का कार्यक्रम रविवार को निकेतन प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान निम्बार्क रत्न मनोहर शरण महाराज पलसाना ने बडी संख्या में उपस्थित निकेतन के पुरातन छात्र, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि व प्रबुद्ध जनों को मौजूदगी में शिक्षाविद् सांवर शर्मा "भाई साहब की मूर्ति का अनावरण किया। समारोह की अध्यक्षता निम्बार्क रत्न मनोहर शरण महाराज ने की तो वही भामाशाह समाजसेवी कैलाश जाजोदिया और निकेतन के प्रथम कृपा पात्र नरौतम व्यास आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। जबकि शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक बजरंग लाल स्वामी, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी, बालकृष्ण शर्मा विशिष्ट अतिथि के रेप में मंचस्थ रहें। कार्यक्रम का संचालन कमल

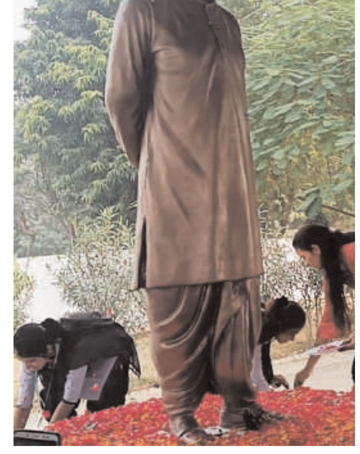

गोयनका ने किया। इस मौके पर विद्यालय के सचिव पवन गोयनका ने स्वागत दिया और भाई साहब के जीवन पर प्रकाश डाला। मूर्ति लोकार्पण के पश्चात भाई साहब के स्मृति ग्रंथ "कर्म योगी के अमिट निशा"

पुस्तक का विमोचन किया गया। बलबीर सिंह आंतरोली ने आभार जताया।। इस अवसर स्कूल की बालिकाओं ने ईश वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किए। जबकि पूर्व आईआरएस मदन सिंह खींचड़, आईपीएस केशर सिंह शेखावत, आरएएस सांवरमल वर्मा, मांगीलाल जांगिड़, आरटीएस ताराचंद वर्मा, डॉ नेमीचंद पुनिया, डॉ देवेन्द्र दाधीच, मुख्य अभियंता श्रवण कुमार शर्मा,सहायक अभियंता संजीव पारीक, शिक्षाविद डॉ नगेन्द्र सिंह नाथावत, मांगीलाल शर्मा, डॉ विनय शर्मा, अर्जुन लाल वर्मा, डॉ अर्चना पुरोहित, विपिन शर्मा, अब्दुल रसीद, विनोद जोशी, बेगसिंह दुलड, हरदेवा राम, दीपक जाजोदिया, भोजराज, राकेश सिहाग, बलबीर सिंह आंतरोली, रमजान अली, रघुवीर पारीक, हर्षित शर्मा, बीरबल सिंह ढाका, सूर्य प्रकाश शर्मा, ॠषिराज सिंह राठौड़, पुरूषोत्तम तिवाड़ी, शिवप्रकाश जोशी उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, राजेंद्र वर्मा आदि ने मंचस्थ अतिथियों का माल्यार्पण कर शाल ओढ़ाकर, साफा पहनाकर, श्रीफल व प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर नगरपालिका उपाध्यक्ष बनवारी पांडे लक्षमनगढ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट प्यारेलाल मीणा लक्ष्मणगढ़ पत्रकार संघ के अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विमल चिराणिया, राजस्थान विप्र कल्याण बोर्ड के पूर्व सदस्य पवन बूटोलिया, ऋषिकुल विद्यापीठ की प्राचार्य डॉ रेखा शर्मा, श्री रघुनाथ बालिका स्कूल की प्राचार्य गायत्री पोरवाल, लोकसेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के प्रभारी राजेंद्र शर्मा, अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत चुडीवाला, लक्षमनगढ पिंजरापोल गौशाला के कोषाध्यक्ष ललित भूत, महावीर सेवा समिति के मंत्री अनिल मिश्रा सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के पश्चात शाम को विद्यालय के 61 में वार्षिक उत्सव के तहत विद्यालय जो छात्र-छात्राओं की ओर से मनमोहन रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई तो वहीं विद्यालय परिवार की ओर से विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक, विद्यार्थी व विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। इससे पूर्व शनिवार को चिल्ड्रन फेयर का भी आयोजन किया गया।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
19 नवम्बर, 2024

बाहर के व्यापारियों की ओर से हो रही अवैध खरीद पर रोक लगाने की मांग

नीलामी कार्य का बहिष्कार, मंडी प्रशासन के खिलाफ किया धरना प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के कृषि उपज मंडी में सोमवार से मंडी व्यापार संघ की ओर से नीलामी कार्य का बहिष्कार कर धरना देकर मंडी प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए मंडी के बाहर अवैध रूप से मुंगफली मीलों व कुछ बाहर के अवैध व्यापारियों की ओर से सभी अनाजों की हो रही खरीद पर अंकुश लगाने की मांग की। व्यापारी इंद्राज सारण ने कहा कि मंडी परिसर से बाहर हो रही खरीद पर अंकुश लगाने के लिए मंडी प्रशासन व एसडीएम को कई बार बोला गया है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं होने पर मजबूर होकर धरना लगाना पड़ा है। अब अगर समाधान नहीं किया गया तो मजबूर होकर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। श्यामसुंदर तावनिया ने कहा कि मंडी प्रशासन ध्यान दे तो सरकार को अच्छा राजस्व प्राप्त होगा। जबकि यहां के अधिकारी तो अल्टा कर रहे है ओर राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे है और बाहर हो रहे अवैध कारोबार को बढावा देने में लगे हुए है। इस दौरान सूचना पर पहुंची एसडीएम दिव्या चौधरी व मंडी सचिव सलीम मोहम्मद कादरी ने मंडी व्यापारियों से वार्ता करते हुए व्यापारियों के हित में फैसला लेने का निर्णय लिया। उन्होंने निर्णय किया कि अब मिल्लर है वो भी मंडी से मूंगफली खरीद करेंगे। जबकि मंडी सचिव सलीम मोहम्मद ने कहा कि जो मूंगफली मिल्लर है उनके पास सीधी खरीद करने का पॉवर होता है। हम उसको बाध्य नहीं कर सकते है। फिर भी मूंगफली मील संचालकों व मंडी के अनाज व्यापारियों को एक जगह बैठाकर इनकी वार्ता करवाने का प्रयास कर रहे है। उम्मीद है कि यह मिलकर किसान हित में काम करने का प्रयास करेगे। इस मौके पर प्रभुराम पूनियां, प्रहलादराम पांडिया, किशननाथ सिद्ध, हनुमानराम डेलाना, राकेश सारण, भंवरलाल हुड्डा, पुष्पेंद्र खीचड़, महावीर जाखड़ सहित बड़ी संख्या में अनाज व्यापारी उपस्थित रहे।

भाजपा संगठन पर्व कार्यशाला में सक्रिय सदस्यता पर चर्चा

संक्षिप्त-समाचार

रैगर समाज की 54 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के पूर्व विधान सभा प्रत्याशी व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ के मुख्यातिथ्य मैं तारानगर के अखिल भारतीय रेगर महासभा का प्रतिभा व नागरिक सम्मान समारोह 2024 का आयोजन किया गया जिसमें समाज के 54 बच्चों को सम्मानित सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। समाज में व्याप्त बुराइयां जैसे दहेज प्रथा मृत्यु भोज फिजूल खर्ची आदि बुराइयों को छोड़कर समय के साथ चलकर एक नए भारत के निर्माण के योगदान के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि जांगिड़ ने कहा कि रेगर समाज बीते कुछ दशकों से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आज इस समाज के बच्चे इंजीनियर डॉक्टर व वैज्ञानिक बन रहे हैं, जिन बच्चों का सम्मान किया गया है वह आगे चलकर देश के कर्णधार बनेंगे।

21 वीं सदी के कौशल व शिल्प कौशल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान में 21वीं सदी के कौशल व शिल्प कौशल पर आधारित दो दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ ने की। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि 21वीं सदी के कौशल जैसे- समस्या- समाधान, रचनात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता और डिजिटल साक्षरता आज के शिक्षण तंत्र का अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों में इन कौशलों का विकास ही उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा। यह प्रशिक्षण केवल शिक्षण का हिस्सा नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रयास है जो हमारे छात्रों को आत्मनिर्भर और सफल नागरिक बनाने में मदद करेगा। प्रभाग अध्यक्ष उमा सारस्वत ने प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 21वीं सदी के कौशल और शिल्प कौशल आज के युग में जीवन के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने बताया कि इन कौशलों के माध्यम से विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन और करियर के विविध विकल्पों को समझने में सहायता मिलेगी। दक्ष प्रशिक्षक उप प्राचार्य सुनील कुमार शर्मा ने कौशलों के रोजगार परक दृष्टिकोण और व्यवस्थित जीवन शैली के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन कौशलों से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, बल्कि एक संतुलित जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त होता है। उप प्राचार्य संदीप महरौलिया ने कौशल विकास की आवश्यकता और इसकी उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की। सचिन डंडा ने राष्ट्रीय शिक्षा सर्वेक्षण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

ज्ञान फाउंडेशन सम्मान समारोह 1 दिसंबर को

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में ज्ञान फाउंडेशन ट्रस्ट ज्ञान फाउंडेशन प्रन्यास की ओर से सम्मान अर्पण 2023-24 प्रतिवर्ष दिए जाने वाले "साहित्य कला व संस्कृति" क्षेत्र के घोषित 22, 23, 24 व 25 वें सम्मानों के अर्पण का आयोजन 1 दिसंबर को ज्ञान फाउंडेशन परिसर स्थित राज किशोरी टाउन हॉल, राजलदेसर में दोपहर 1:30 बजे से अपराह्न 4 बजे तक होगा। ट्रस्ट के जयचन्द लाल सोनी ने बताया कि इस समारोह में साहित्यकार बी.एल आच्छा- चेन्नई (तमिलनाडु), मोहन कुमार सोनी- मुख्य एडमिन-स्थानीय मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज वाट्सएप समूह, राजलदेसर रौनक सोनी -'स्वर्ण पदक विजेता' खेलकूद प्रतियोगिता - 'कुश्ती' और शिव भगवान सोनी को सम्मान अर्पण किया जाएगा।

स्कूल लीडरशीप के दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय सोती भवन में सोमवार को राज्य शैक्षिक प्रबंधन व प्रशिक्षण संस्थान सीमेट गोनेर की ओर से जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान डाइट की ओर से दो दिवसीय समीक्षा व प्रतिपुष्टी कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी व प्राचार्य गोविंद सिंह राठौड़ ने किया। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समझ आधारित शिक्षण प्रदान करना है। आप विद्यार्थी को केंद्र में रखकर कार्य करेंगे तभी अपेक्षित गुणात्मक परिणाम की प्राप्ति होगी। प्रदेश रैंकिंग में चूरू डाइट की ओर से ए प्लस ग्रेड प्राप्त करने पर संभागी प्रधानाचार्य रामकुमार खीचड़, सज्जन कुमार सैनी, रतनसिंह, नरेंद्र सिंह आदि ने प्राचार्य राठौड का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर एस आर दिनेश कुल्हरी, राजेश कुमार शर्मा, मुकुल भाटी, पुष्पा स्वामी व सुनीता ने भी प्रशिक्षण को संबोधित किया। शिविर प्रभारी ओमप्रकाश बारूपाल व रोहिताश मीणा ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

वुशू प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण 2 रजत व 1 कास्य पदक जीते

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में चूरु के खिलाड़ियों ने जीते 1 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चूरु वुशू संघ सचिव चिंकित शर्मा ने बताया कि 15 से 17 नवम्बर को गंगानगर में आयोजित हुई 18वीं राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में चूरु के खिलाड़ियों ने टीम मैनेजर गजेंद्र सैनी के सानिध्य में अंशिका ने 36 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, सुरभि ने 21 किलो व साहिल ने 60 किलो भार वर्ग में रजत पदक और हिमानी ने 39 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीते और चूरु टीम के बाकी खिलाड़ी तनवी, कार्तिक, रौनक, नवदीप, अरुण और मनिष ने भी शानदार प्रदर्शन किया। शर्मा ने बताया कि अंशिका आगामी 6 दिसम्बर को पंजाब में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगी।

बनेगा भव्य श्याम मंदिर, निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में श्री श्याम सेवा मित्र समिति राजलदेसर के तत्वाधान में निर्माण होने वाली भव्य श्याम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष श्रवण सैनी ने बताया कि बनवारी लाल गौड़ परिवार की ओर से दी गई भूमि पर श्याम प्रेमियो के सहयोग से लगभग दो करोड़ की लागत से भव्य श्याम मंदिर बनेगा। जिसके लिए पूजन पं बृजेश दाधिच के सानिध्य में पं उमाशंकर दाधिच सहित पंडितों ने भूमि पूजन करवाया। मुख्य यजमान श्रवण कुमार गौड़ ने सपत्नीक भूमि पूजन किया। मण्डल सदस्यो ने बाबा के भजन और जय श्री श्याम के नारों से गुंजायमान हो गया। महिलाओं ने बाबा के भजन कीर्तन किया। मन्दिर निर्माण में लगभग एक वर्ष का समय लगेगा और प्रत्येक सनातन परिवार से सहयोग लिया जाएगा।

शिव मंदिर के लिए भूमि पूजन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव बंडवा में सोमवार को भगवान शिव के प्रस्तावित मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर ग्रामवासियों सहित आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं के बीच काफी उमंग व उत्साह देखा गया। पं. बृजेश दाधीच के साङ्गिध्य में भक्ति भावना के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यजमान मुकेश श्रीमाल व उनकी धर्मपत्नी मधु श्रीमाल की ओर से पूजा अर्चना कर भूमि पूजन कर मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दौरान गाए जा रहे मांगलिक गीतों, भजनों व मंत्रों से माहौल भक्ति में हो गया। मंदिर का निर्माण ग्रामवासियों व भक्तों के आर्थिक सहयोग से किया जा रहा है जिसकी अनुमानित लागत 10 लाख रुपए होगी। पं. बृजेश दाधीच ने कहा कि मंदिर हमारी संस्कृति है। मंदिरों के निर्माण से ही धर्म की रक्षा और राष्ट्र का उत्थान होता है। इस अवसर पर करनी सिंह शेखावत, पूर्व सरपंच हडमाना राम जाट, लूणसिंह ठाकर, प्रकाश सिंह, किशना राम एचरा, केसर सिंह, गोपाल सिंह, भंवरा राम जाट, भगवान सिंह, किशोर सिंह, मदन सिंह, सूंड सिंह, अर्जुन सिंह, गोविन्द सिंह, मुकतल सिंह, रामू जाट, भैरा राम नाई, छोटू राम मेघवाल, नरेन्द्र नायक, भैराराम नायक सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी व आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भाजपा की संगठन पर्व 2024 कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के चौधरी धर्मशाला में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की "संगठन पर्व 2024 कार्यशाला" सम्पन्न हुई। बुचावास, सात्यूं-राजपुरा, ददरेवा और तारानगर शहर मंडल की संयुक्त कार्यशाला में मुख्य वक्ता पूर्व विधानसभा प्रत्याशी भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने संबोधित करते हुए सक्रिय सदस्यता अभियान के बारे में बताया। जांगिड ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है जिसको और सशक्त और मजबूत करने के लिए पिछले दिनों हमने सदस्यता अभियान चलाया था जिसमें करोड़ों लोगों ने भाजपा परिवार में विश्वास करते हुए हिस्सा लिया था, पार्टी अब सक्रिय सदस्यता अभियान चला रही है जिसमें हम सभी को अधिकाधिक संख्या में जुड़कर पार्टी को सशक्त बनाना है। जांगिड़ ने आगे कहा कि पार्टी में प्रत्येक 6 साल में सदस्यता का नवीनीकरण करना होता है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित सभी ने अपना सदस्यता नवीकरणीय कर पार्टी की सक्रिय सदस्यता ली है। जांगिड़ ने मंडल अध्यक्षों से सदस्यता अभियान की प्रगति रिपोर्ट भी ली।भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेश सहारण ने संबोधित करते हुए कहा कि संगठन के इस महापर्व में भाजपा सक्रिय सदस्यता अभियान को हम सभी को सफल बनाना है। सात्यूं-राजपुरा मंडल प्रभारी संदीप काजला, शहर मंडल प्रभारी विमल पूनियां, ददरेवा मंडल प्रभारी सुरेंद्र स्वामी, बुचावास मंडल प्रभारी सुरेश मुद्गल ने सक्रिय सदस्यता अभियान को सभी मंडलों में अग्रणी बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विधानसभा संयोजक अजीतसिंह राठौड़ ने सक्रिय सदस्यता अभियान के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर रणजीतसिंह तंवर, विशाल शर्मा, जुगलसिंह शेखावत, जमरदीन तैली, मो.तैयब, अनूप खंडेलवाल, सूर्य प्रकाश ढाका, ईश्वर पांडिया, त्रिलोक रैगर, शिवकुमार शर्मा, बाबूलाल पटीर, समीर खान, भंवरलाल मेघवाल, परमेश्वर स्वामी, राजेश प्रजापत, सतपाल सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पवन पहाड़िया को राजस्थानी भाषा सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के नगर-श्री संस्थान में रविवार को पंडित मधुकर गौड़ सार्थक साहित्य संस्थान की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साहित्यकार पवन पहाड़िया को राजस्थानी भाषा साहित्यकार सम्मान प्रदान किया गया। साहित्यकार पं. मधुकर गौड़ की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता बीकानेर के प्रख्यात साहित्यकार और राजस्थानी भाषा-संस्कृति अकादमी के पूर्व अध्यक्ष श्याम महर्षि ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लाडनू के गजादान चारण रहे। कार्यक्रम का षुभारम्भ अतिथियों ने मां सरस्वती व पं. मधुकर गौड़ के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया। इंदिरा सिंह ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। राजेन्द्र शर्मा मुसाफिर ने सार्थक साहित्य संस्थान तथा सम्मानित साहित्यकारों का जीवन परिचय दिया। कविता शर्मा ने मधुकर गौड़ की साहित्य यात्रा और संस्मरणों की विस्तृत चर्चा की। पवन पहाड़िया ने सम्मान के प्रत्युत्तर में कहा कि मधुकर गौड़ ने मुम्बई में रहकर हिन्दी- राजस्थानी की सेवा की है वह वरेण्य है। उन्होंने पद्य के माध्यम से कहा कि गीत नवांतर गांवता, गयाज मधुकर गौड़। कुण भर ले हकनाक कर, हामळ अण री होड़। मरुधारा मन मोवती, काड़ी कर कर कोड। चंदा बिना चलावणी, छाप गया आ छोड़। उन्होंने इस बात का विशेष उल्लेख किया की मधुकर गौड़ ने मरुधारा का संपादन बिना किसी से आर्थिक सहयोग लिए निर्विघ्न 9 वर्षों, अपने अंतिम समय तक किया। मुख्य अतिथि डॉ. गजादान चारण ने अपने उद्बोधन में पंडित मधुकर को याद करते हुए कहा कि वह भारत के ख्यातनाम साहित्यकार थे। उनकी स्मृति में परिवार की ओर से इस तरह का आयोजन करना सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा की मधुकर गौड़ और पवन पहाड़िया काव्य में छंद की महत्ता को मानने वाले एक ही धारा के व्यक्तित्व है। चारण ने छंद की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि काव्य में अनुशासन, नियम, और मर्यादा ही छंद है, छंद अमृत्य देता है। राजस्थानी लोकोक्ति, मुहावरे, कहावतें सभी छंदों से बंधे हुए हैं। छंद रिदम को मेन्टेन करता है, लय को निखारता है। श्याम महर्षि ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मधुकर गौड़ से उनके राजस्थानी साहित्य को लेकर हुई चर्चाओं का उल्लेख किया। और सराहना करते हुए कहा कि मधुकर गौड़ ने हिंदी के साथ-साथ राजस्थानी साहित्य का भी प्रचुर लेखन एवं संपादन किया है। इसका साक्ष्य उनकी प्रकाशित पुस्तकें, मरुधरा और सार्थक पत्रिका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया की ऐसे आयोजन निरंतर होने चाहिए और अधिक से अधिक श्रोताओं को इसमें जोड़ना चाहिए। साहित्यकार पवन पहाड़िया का बालकिशन शर्मा ने माला पहनाकर, विमल सारस्वत, काशीराम क्याल ने शॉल ओढ़ाकर, कविता शर्मा और सविता इंदौरिया ने स्मृति चिह्न देकर तथा पूनम मधुकर गौड़ ने श्रीफल व सम्मान राशि भेंट कर अभिनंदन किया। नगर-श्री सचिव श्याम सुंदर शर्मा, ओमप्रकाश तंवर, प्रो. सुरेंद्र सोनी, राजेंद्र झिरमिरिया, भगवती पारीक और डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने अतिथियों का माला पहना कर स्वागत सम्मान किया। संस्थान के प्रतिनिधि कमलेश गौड़ ने सभी का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर अब्दुल मनान, हरिसिंह, बाबूलाल शर्मा, दीपक कामिल, विजयकान्त शर्मा सहित बड़ी संख्या में शहर के साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

पीपुल यूनिटी संस्था ने जरूरतमंदों को वस्त्र दिए

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पीपुल यूनिटी संस्थान की ओर से संस्था अध्यक्ष व भाजपा नेता रघुनाथ खेमका ने रविवार देर शाम जरूरतमंद व घुमंतू परिवारों के बच्चों को वस्त्र वितरित किए। वस्त्र प्राप्त कर जरूरतमंद परिवारों के बच्चों अभिभावकों ने संस्थान का हृदय से आभार व्यक्त कर खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रघुनाथ खेमका ने कहा कि आमजन को अपनी कमाई में से कुछ हिस्सा जरूरतमंदों की सेवा में लगाना चाहिए, जिससे उसकी आत्मा तृप्त होती है। इसी प्रेरणा स्वरूप खेमका ने रविवार को जयपुर रोड पर जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित किए। गौरतलब है कि संस्था समय-समय पर अनेक सामाजिक सरोकारों में अपना योगदान देती आ रही है। इस अवसर पर इंजी. सुरेश शर्मा, विनोद सरावगी, प्रेम बगड़िया, सत्यवीर बेनीवाल, मुकेश शर्मा, प्रदीप सरोठिया, पार्षद प्रवीण शर्मा सहित संस्थान के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
19 नवम्बर, 2024

संक्षिप्त-समाचार

युवती को भगाकर ले जाने वाले आरोपी की गिरफ्तारी की मांग, एसपी को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सरदारशहर की एक युवती को बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने वाले युवक को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर भंवर गुर्जर के नेतृत्व में एसपी को ज्ञापन सौंपा। भंवर गुर्जर ने बताया कि मोहल्ले का गिरधारी उर्फ लीलाधर सैनी 4 नवंबर की रात्रि को युवती को बहला फुसलाकर भगाकर ले गया। युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाने के बाद भी अभी तक पुलिस युवक का सुराग नहीं लगा पाई है। परिजनों ने बताया कि 12 नवम्बर को युवक हमारे पास आया और हमें धमकी दी कि मेरे नाम से मुकदमा वापस हटा लो नहीं तो मैं बच्ची को मार दूंगा, तब हमने पुलिस में शिकायत की। तो उन्होंने 13 नवंबर को अपने गांव के पास भालेरी में हेड कांस्टेबल प्रताप पुनिया से बात करके उसने बच्ची को उनके सुपुर्द कर दिया। जब हमने हैड कांस्टेबल प्रताप पुनिया से बात की तो उसने हमें थाने बुलाया और कहा कि बच्ची आपसे नहीं मिलना चाह रही है। परिजनों का आरोप है कि गिरधारी लाल ने बच्ची के साथ गलत कार्य किया है और अपने साथ डरा धमका कर रखा है। युवती का मेडिकल करवाएं और बच्ची नौ दिनों में गिरधारी लाल के साथ जहां-जहां गई और जिन-जिन व्यक्तियों ने उनको शरण दी है, उन पर भी कार्रवाई की जाए। अगर युवती को पुलिस बरामद नहीं करती है, तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

हाई टेंशन लाइन का करंट लगने से दो मजदूर घायल, रेफर

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। भानीपुरा थाना अंतर्गत गांव भानीपुरा बिजली बोर्ड के जीएसएस के पास हाई टेंशन बिजली की नई लाइन पर काम करते समय करंट की चपेट में आने से दो मजदूर घायल हो गए। दोनों घायल मजदुरों को भानीपुरा थाने की 108 एम्बुलेंस के सहयोग से राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर दोनों को हाई सेंटर बीकानेर रैफर कर दिया। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के करण कुमार उम्र 40 साल व जेडल पूत्र रामदयाल उम्र 35 साल दोनों मजदूर ठेकेदार के साथ नई लाइन डालने का कार्य कर रहे थे। वहीं दूसरी लाइन का बिजली बोर्ड से शटडाउन लिया हुआ था। लेकिन अचानक लाइन में करंट आने से दोनों मजदूर करंट की चपेट में आने से झुलस गए और बिजली बोर्ड के पोल से नीचे गिर गए। तुरंत दोनों मजदूरों को राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर दोनों को हाई सेंटर रेफर कर दिया।

अनुभव प्रमाण पत्र के नियम में शिथिलता प्रदान करने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। भाजपा पार्षद रेंवतमल पंवार ने उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा को ज्ञापन सौंपकर बताया है कि सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए अनुभव प्रमाण पत्र सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आ रहा है। क्योंकि नगरपरिषद में जो फर्म, कंपनियां और ठेकेदार कर्मचारियों से सफाई का काम करवाते हैं, वो अनुभव प्रमाण पत्र देने में आनाकानी कर रहे हैं। ऐसे में योग्य व्यक्ति भी सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। अतः इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सम्बंधित ठेकेदारों, फर्मों, कंपनियों को अपने कार्मिकों को अनुभव प्रमाण पत्र प्रदान करने या नियमों में शिथिलता प्रदान करने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि घर-घर कचरा संग्रहण पर लगे सफाई कार्मिकों, ट्रेक्टरों पर काम कर रहे, सफाई का काम करने वाले मजदूरों को ठेकेदारों की ओर से अनुभव प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया जाना अन्याय करने जैसा है। मुख्यमंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन में अनुभव प्रमाण पत्र में शिथिलता प्रदान करने सहित कुल 9 मांगे की गई है। उपखंड अधिकारी ने समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

पीएम सूर्यघर योजना की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। जोधपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता कार्यालय में पीएम सूर्य घर योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया। सहायक अभियंता अरूण मीणा ने बताया कि शिविर में साठ लोगों के आवेदन प्राप्त हुए हैं और तीन जनों ने ऑनलाइन पंजीयन करवाया है। शिविर में तीन वेंडर, एक बैंक ने अपनी सहभागिता निभाई। एईएन अरूण मीणा ने बताया कि इस योजना के तहत घर की छत पर सोलर पैनल लगवाने पर सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती है। इससे बिजली बिल कम आता है और आप बिजली का ज्यादा उत्पादन कर एक्स्ट्रा बिजली सरकार को दे सकते हैं। मीणा ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर रूफटॉप लगावाने पर सरकार की ओर से सब्सिडी दी जा रही है। तीन किलोवाट से ज्यादा लोड पर सरकार की ओर से 78 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है।

नशे की सबसे बड़ी खेप पकड़ने पर भानीपुरा पुलिस को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। भानीपुरा पुलिस ने गत दिनों चूरू जिले की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 करोड़ रुपए मूल्य की 30 क्विंटल डोडा पोस्त की तस्करी का भंडाफोड़ किया था। इस सराहनीय कार्य के लिए राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो (एनसीआईबी टीम) चूरू की ओर से पुलिस थाने की टीम को प्रतिक चिंह देकर सम्मानित किया गया। स्टेट अपराध सूचना अधिकारी संपत सिंह राजपुरोहित और जिला अपराध अधिकारी राजेंद्र प्रसाद बरकेशा ने पुलिस टीम की सतर्कता की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई देते हुए पुलिस थाने की टीम को सम्मानित किया गया।

चुस्त-दुरूस्त कार्यशैली में आईआरएस सुशील कुल्हरी का कोई सानी नहीं

रोज 5 किमी और जन्मदिन पर 42 किमी दौड़ लगाते है आईआरएस अधिकारी सुशील कुल्हरी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जहां वर्तमान में अफसरशाही में अक्सर देखा जाता है कि काम का बोझ, आलस्य और टालमटोल की सोच के कारण कार्य की अधिकता हो जाती है और अधिकारी इसके कारण मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान हो जाता है। मगर इन सबके इतर एक ऐसा भी अधिकारी है जो न केवल स्वयं चुस्त दुरूस्त है बल्कि अपने मातहत अधिकारियों-कर्मचारियों और आमजन को भी अच्छा स्वास्थ्य और अच्छी शिक्षा का संदेश दे रहा है। रोज करीब 5 से 7 किलोमीटर की दौड और जन्मदिन पर करीब 42 किलोमीटर की मैराथन दौड़ लगाकर भी आराम करने के बजाय नियमित कार्यालय जाकर अपना कामकाज निपटाते है। यह अधिकारी है आईआरएस सुशील कुल्हरी जो मूलतः झुझुनूं जिले के तिलोकाबास गांव के निवासी है और वर्तमान में जयपुर के विद्याधरनगर इलाके में रहते है। यह आईआरएस अधिकारी सुशील कुल्हरी वर्ष 2012 बैंच के आईआरएस अधिकारी है जो वर्ष 2006 में आरएएस भी रह चुके है। आईआरएस सुशील कुल्हरी वर्तमान में इनकम टैक्स विभाग में कार्यरत है।

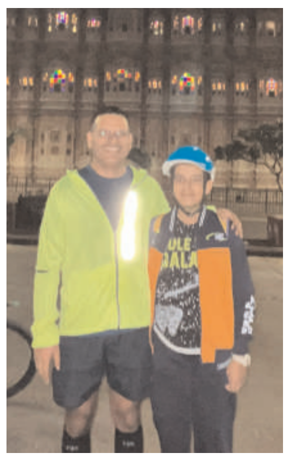

मात्र पांच घंटे में पूरे जयपुर की कर लेते है परिक्रमा

सुशील कुल्हरी उनके जन्मदिन पर मात्र पांच घंटे से भी कम समय में करीब-करीब पूरे जयपुर की परिक्रमा कर लेते है। हर वर्ष जन्मदिन पर वह फुल मैराथन लगाते है। कुल्हरी उनके निवास स्थान विद्याधर नगर से रवाना होते है जो शास्त्रीनगर, चांदपोल, गोविंद देव मंदिर, हवामहल, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, मोती डूंगरी गणेश मंदिर, जेएलएन मार्ग, बी टू बाईपास, न्यू सांगानेर रोड, दो सौ फीट बाइपास, चित्रकूट, वैशाली नगर, झोटवाड़ा, चौमूं पुलिसा होते हुए पुनः निवास स्थान विद्याधर नगर पहुंचते है।

जन्मदिन पर करते है देव दर्शन

इस मैराथन के दौरान आईआरएस सुशील कुल्हरी देवताओं के भी दर्शन करते है। मार्ग में पडने वाले गोविंद देव जी मंदिर, मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर आदि जगह जाकर भगवान का आशीर्वाद लेते है। इस दौरान उनको थोड़ा समय लग जाता है फिर भी वह 5 घंटे 28 मिनट में अपनी मैराथन पूरी कर लेते है। यदि देव दर्शन नहीं करते है तो ऐसे दौर में वह अपनी मैराथन करीब 4 घंटे 48 मिनट में पूरी कर लेते है। मेगा मैराथन के दौरान उनके साथ उनकी पत्नी डॉ. सीमा, पुत्र कपिल कुल्हरी और पुत्री रावी कुल्हरी भी साइकिल से साथ साथ चलते है और उनकी हौंसला अफजाई करते है।

अजब अफसर का है गजब संयोग

आईआरएस अधिकारी सुशील कुल्हरी न केवल चुस्त दुरूस्त अधिकारी और कठोर मेहनती है बल्कि किस्मत के भी धनी है। उनका जन्मदिन 18 नवंबर को आता है। यह अजब संयोग ही है कि उनके पुत्र कपिल कुल्हरी का जन्मदिन भी 18 नवंबर को ही आता है। दोनों पिता पुत्र का जन्मदिन एक ही तिथि को आने पर सुशील कुल्हरी भगवान का शुक्रिया अदा करते है। काबिले गौर है कि सुशील कुल्हरी का जन्मदिन 18 नवंबर 1980 को हुआ था और उनके पुत्र कपिल कुल्हरी का जन्मदिन 18 नवंबर 2012 को हुआ था।

10 मेगा मैराथन में भाग ले चुके है कुल्हरी

आईआरएस अधिकारी सुशील कुल्हरी जीवन में अब करीब दस से अधिक मैराथन में भाग ले चुके है। वहीं करीब 44 हाफ मैराथन में भी दौड़ लगा चुके है। इसके अलावा राज्य से बाहर भी कई जगह मैराथन में भाग ले चुके है। वह दिल्ली, मुम्बई सहित कई शहरों में विभिन्न अवसरों पर होने वाली रन में भाग लेकर गांव, क्षेत्र और समाज का नाम रोशन कर चुके है।

मतदान भी दौड़ लगाकर करते है कुल्हरी

मूलत : झुझुनूं जिले के रहने वाले आईआरएस अधिकारी सुशील कुल्हरी मतदान करने जब गांव जाते है तो मतदान भी करीब 21 किलोमीटर की दूरी दौड़ लगाकर करते है। उनका गांव तिलोका बास झुझुनूं जिला मुख्यालय से करीब 21 किमी दूरी पर है। वह जिला कलेक्ट्रेट झुझुनूं से मैराथन शुरू करते है और मतदान स्थल तक दौड़ लगाते हुए पहुंचते है। उनको अधिकांशत जिला कलेक्टर हरी झंडी दिखाकर रवाना करते है।

जीवन में स्वस्थ रहना है जरूरी

बकौल कुल्हरी, जीवन में स्वास्थ्य का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं रहता है तो इससे उसकी कार्यशैली पर भी विपरित प्रभाव पड़ता है। वहीं इसके उलट यदि व्यक्ति स्वस्थ है तो उसकी काम करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। स्वस्थ रहने के लिए दौड़, नियमित व्यायाम, योग आदि करना चाहिए।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने 20 सूत्री कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

अपने विभागों के जनसुनवाई प्रकरणों की पेंडेंसी समाप्त करें अधिकारी : जिला कलेक्टर सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में वीसी के जरिए जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर बिजली, पानी, चिकित्सा सहित आवश्यक सेवाओं व 20 सूत्री कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभागों से संबंधित जनसुनवाई प्रकरणों की पेंडेंसी समाप्त करें। प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें और विभागीय कार्यशैली को त्वरित व संतुष्टि स्तर पर विकसित करें। उन्होंने कहा कि गत गुरुवार को जिले के सभी ब्लॉकों में आयोजित अटल जन सेवा शिविरों में प्राप्त प्रकरणों प्रकरणों को देखें और अपनी व्यक्तिगत मॉनीटरिंग के साथ यथाशीघ्र निस्तारित करें। इसी के साथ आगे भी प्रतिमाह आयोजित किए जाने वाले अटल जन सेवा शिविरों में जिला स्तरीय अधिकारी भी आवंटित ब्लॉकों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। इसी क्रम में सभी अधिकारी फील्ड विजिट के दौरान कार्यालयों का निरीक्षण करें और अपने अधीनस्थ कार्यालयों में प्राप्त शिकायतों का भी समुचित निस्तारण सुनिश्चित करवाएं। सुराणा ने कहा कि जिले में पूर्व में संचालित डिजिटल सखी की तर्ज पर ही डिजिटल सखी 2.0 शुरू किया गया है। प्रारंभ में यह कार्यक्रम चूरू ब्लॉक के 5 गांवों में शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में

महिलाओं को मोबाइल एप्लीकेशन के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस कार्यक्रम में उनको मोबाइल पर फाइनेंशियल लिटरेसी, साइबर सिक्योरिटी, मैसेंजिंग, ई-मेल व सोशल मीडिया और एआई एप्स की जानकारी दी जाएगी। सभी उपखंड अधिकारी कार्यक्रम की जानकारी लें और कार्यक्रम की बेहतरी को लेकर अपने सुझाव भी दें। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने विभाग में किसी अन्य विभाग से संबंधित कार्यों में लापरवाही न बरतें। प्राथमिकता व रूचि के साथ सहयोग करें। विभागीय कार्यों की त्वरित गति के लिए सभी का अपेक्षित सहयोग आवश्यक है। उन्होंने सभी एसडीएम को फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर निर्देश देते हुए कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र में प्राप्त आवेदनों को समयबद्ध निस्तारित प्राप्त करें। इसी के साथ एसएसआर गतिविधियां समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाएं। सभी उपखंड अधिकारी व नगर निकाय अधिकारी अपने क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों की जांच करें और बिना कन्वर्जन के कॉलोनी विकसित किए जाने पर समुचित कार्यवाही करें। इसी क्रम में उपखंड क्षेत्र में स्थित खरीद केन्द्रों का निरीक्षण करें व किसी प्रकार की समस्या होने पर निस्तारण करवाएं। उन्होंने विकास अधिकारियों से कहा कि विकास खंड में जेजेएम कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को वेरिफाई करें और पीएचईडी अधिकारी सड़कों को संबंधित ठेकेदार के साथ समुचित कार्यवाही करते हुए मरम्मत करवाएं। 27 नवंबर से घूमंतू जनजातियों के लिए शिविर लगाए जाने प्रस्तावित हैं। इसलिए सभी विकास अधिकारी आबादी विस्तार आदि के प्रस्ताव भिजवाएं। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों में समुचित कार्रवाई करते हुए यथाशीघ्र निस्तारण करें। शिकायतों में पेंडेंसी दुरूस्त करें और पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों में रिजेक्शन व जवाब भिजवाने वाले मामलों में परिवादियों को संतुष्ट करें। सभी अधिकारियों का एवरेज डिस्पोजल टाइम कम करें तथा सेटिस्फेक्शन परसेंटेज बढाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर दिसंबर माह में कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित है। इन कार्यक्रमों के लिए सभी अधिकारी विस्तृत तैयारी करें और वांछित सूचना यथासमय भिजवाएं। उन्होंने राजगढ एसडीएम से कहा कि राजगढ़ ब्लॉक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान व आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की समुचित मॉनीटरिंग करें और अभियान अंतर्गत अपेक्षित प्रगति लाएं। इसके लिए टीम को बेहतरीन प्रबंधित करें। उन्होंने सुजानगढ़ एसडीएम को सालासर में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के लिए निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग उपनिदेशक से कहा कि पालनहार योजना में लाभार्थी बच्चों के जनाधार अपडेशन करवाएं। इसके लिए शिक्षा विभाग का अपेक्षित सहयोग लें। सीएमएचओ को मौसमी बीमारियों व चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाओं के समुचित प्रबंधन के निर्देश दिए।

व्यवसायिक प्रतिष्ठानों कों ट्रेड लाईसेंस जारी करने के शिविर 26 तक

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू नगरपरिषद क्षेत्र में आमजन को जागरूक करने व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को ट्रेड लाईसेंस (अनुज्ञा पत्र) जारी करने के लिए 26 नवंबर तक नगरपरिषद कार्यालय में विशेष कैम्प आयोजित किए जाएंगे। नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि चूरू नगरपरिषद क्षेत्र में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन के लिए नगरपरिषद के माध्यम से होटल, रेस्टोरेन्ट, कैफे, कैन्टीन, मिठाई की दुकान, बेकरी, नमकीन व मिठाई के कारखाने, चाट-पकोड़ों के मोबाईल वाहन, गैस युक्त शीतल पेय, आईसक्रीम व आईस फैक्ट्री, ब्यूटी पार्लर, जिम एवं स्वीमिंग पूल आदि को ट्रेड लाईसेंस (अनुज्ञा पत्र) लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को ट्रेड लाईसेंस (अनुज्ञा पत्र) के लिए आमजन को जागरूक करने व आवेदन के लिए प्रेरित करने के लिए परिषद स्तर पर सर्वे टीम का गठन किया गया है।

जिला कलक्टर ने जिला स्तरीय समिति की बैठक में दिए निर्देश

लेखा नियमों का हो समुचित पालन, बकाया आक्षेपों को करें दुरुस्त : सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में सोमवार को स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक में अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि अधिकारी अपने विभागीय कार्यों में लेखा नियमों का समुचित पालन करें और विभागों में लंबित आक्षेपों को दुरुस्त करें। लेखा कार्मिक आक्षेपों में समुचित जांच व कार्यवाही करते हुए निस्तारित करें। आक्षेपों में समुचित जांच रिपोर्ट तैयार करें और स्पष्टता के साथ ऑडिट पैरा को ड्रॉप करवाएं। प्रयास करें कि नए पैरा नहीं बनें। इसी के साथ पुराने पैरा में रिपोर्ट भेजते हुए जवाब भेजें। उन्होंने कहा कि विभागीय गतिविधियों में अनियमितताओं से बचें। लेखा नियमों व प्रकरणों को संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाकर पैरा को ड्रॉप करें। विभिन्न प्रकरणों में संबंधित के खिलाफ समुचित विभागीय कार्रवाई करें। लंबित प्रकरणों को प्रायरिटी से निस्तारित करें। इसी के साथ विभागों में फंड के उपयोग के दौरान नियमों की समुचित पालन हो। इसके लिए विजिलेंट रहे और अधिकारी नियमों की समुचित जानकारी रखें। जिला कलक्टर सुराणा ने बैठक के दौरान जिले में विभागवार सामान्य आक्षेपों, बकाया प्रारूप प्रलेखों, गबन प्रकरणों, स्थानीय नीति अंकेक्षण, बकाया प्रथम अनुपालना, बकाया अंकेक्षण शुल्क, बकाया लेखा प्रमाणीकरण शुल्क, विस्तृत व विशेष जांच सहित बिंदुओं पर चर्चा कर समुचित निर्देश दिए। उन्होंने कृषि उपज मंडी से अधिकारियों की उपस्थिति नहीं रहने पर नाराजगी जताते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक के सदस्य सचिव व स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग के अतिरिक्त निदेशक पवन कस्वां ने बैठक का संचालन करते हुए सभी अधिकारियों को लंबित आक्षेपों के बारे में समुचित दिशा- निर्देश दिए और विभागीय कार्यवाही व प्रक्रियाओं की जानकारी दी। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर, कोषाधिकारी प्रवीण

सिंघल, एपीआरओ मनीष कुमार, लेखाधिकारी चैनाराम बेनीवाल लेखाधिकारी गुगनराम सहित विकास अधिकारी, नगर निकाय अधिकारी व संबंधित विभागों के लेखा कार्मिक मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।